नई दिल्ली ■ रविवार 16 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 228 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 समाज को राह दिखाता है मीडिया | 07 रवींद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स में शामिल | मैं किसी तय नियम या कैलेंडर से नहीं जीती: कुब्रा सैत 08

सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

नर्मदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जोर देकर कहा कि राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना विकास अधूरा है और इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज या समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए राजनीतिक नेतृत्व और लोकतंत्र में उसकी समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक होती है।

प्रधानमंत्री गुजरात के नर्मदा जिले के डेढ़ियापाड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लगभग 9,700 करोड़ रुपये की सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी और कनेक्टिविटी से संबंधित परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह निवेश आदिवासी क्षेत्रों की जीवन गुणवत्ता में बड़ा बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने भारतीय सभ्यता, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में जो योगदान दिया है, वह अतुलनीय है, लेकिन दशकों तक इस योगदान को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के सम्मान, स्वाभिमान और विकास को प्राथमिकता देकर इस ऐतिहासिक उपेक्षा को दूर करने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व केवल प्रतीकात्मक नहीं होना चाहिए, बल्कि वास्तविक शक्ति-हस्तांतरण का माध्यम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला हैं। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि वह प्रेरणा है जो बताती है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था हर नागरिक को उच्चतम पद तक पहुंचने का अवसर देती है।

मोदी ने कहा कि भाजपा और राजग सरकारों ने हमेशा सक्षम, प्रतिभाशाली और जनसेवा के प्रति समर्पित आदिवासी नेताओं को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, सभी उस परिवर्तनशील राजनीतिक यात्रा के प्रतीक हैं जिसमें आदिवासी समाज नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र में सर्बानंद सोनोवाल, जो आदिवासी समुदाय से आते हैं, पूरे शिपिंग मंत्रालय का नेतृत्व कर रहे हैं। भगवान बिरसा मुंडा को समर्पित कार्यक्रम में विकास कार्यों के लोकार्पण के संबंध में मोदी ने कहा कि मां नर्मदा की इस पावन धरती पर आज एक ऐतिहासिक आयोजन हो रहा है। हाल ही में सरदार पटेल की 150वीं जयंती और भारत पर्व का समापन भी यहीं से हुआ। आज बिरसा मुंडा की जयंती पर यह धरती फिर से विकास और सांस्कृतिक गौरव की गवाह बन रही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि आजादी के बाद छह दशकों तक शासन करने के बावजूद कांग्रेस ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव को दूर करने का कोई वास्तविक प्रयास नहीं किया।

उन्होंने कहा कि कुपोषण, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, शिक्षा का अभाव और कनेक्टिविटी की समस्याएं, यह सब कांग्रेस की निष्क्रियता का नतीजा था। आदिवासी क्षेत्र पिछड़ेपन के प्रतीक बन गए और कांग्रेस सरकारें देखती रहीं। भाजपा सरकार ने इस अन्याय को खत्म करने का संकल्प लेकर काम किया है। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने पहली बार जनजातीय मंत्रालय का गठन कर आदिवासी कल्याण को संस्थागत रूप दिया, लेकिन कांग्रेस की बाद की सरकारों ने इस मंत्रालय की उपेक्षा की। मोदी ने कहा कि एक समय गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में विज्ञान की शिक्षा देने वाला एक भी स्कूल नहीं था। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री के रूप में हमने व्यापक सुधार किए। आज इन्हीं क्षेत्रों में 10 हजार से अधिक स्कूल संचालित हैं। आदिवासी बच्चों को उच्च शिक्षा, खेल और तकनीकी शिक्षा के लिए नई राहें मिल रही हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया आदिवासी समुदाय के लिए बड़ी चुनौती रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के डेडियापाडा में आदिवासियों की कुलदेवी का किया दर्शन

सूरत/नर्मदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज गुजरात के नर्मदा जिले के डेडियापाडा क्षेत्र पहुंचे, जहाँ उन्होंने सागबारा स्थित आदिवासियों की कुलदेवी देवमोगरा माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। वे 'आदिवासी गौरव दिवस' कार्यक्रम में शामिल होंगे। गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के आदिवासी समाज का यह मंदिर चार राज्यों के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी उमड़ी भीड़ हुई थी इससे पूरे क्षेत्र में उत्साह माहौल दिखाई दिया।

नौगाम पुलिस स्टेशन में दुर्घटनावश विस्फोट, 9 की मौत, 32 घायल

कारणों की जांच जारी : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार देर रात हुए एक दुर्घटनावश विस्फोट में नौ लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 32 अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि घटना के कारणों की जांच जारी है। इस घटना के कारणों की कोई अन्य अटकलें अनावश्यक हैं।

गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (जम्मू-कश्मीर डिवीजन) प्रशांत लोखंडे ने यहां नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट के संबंध में मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि नौगाम पुलिस स्टेशन ने हाल ही में एक पोस्टर से मिले सुरागों के आधार पर एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। इसी मामले से जुड़ी एफआईआर संख्या 162/2025 की जांच के दौरान विस्फोटक पदार्थों और रसायनों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया था। बरामद विस्फोटकों को निर्धारित मानकों के अनुसार पुलिस स्टेशन परिसर के खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से रखा गया था। लोखंडे ने बताया कि बरामद सामग्री को फोरेंसिक और रासायनिक जांच के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया पिछले दो दिनों से लगातार जारी थी।

बरामद विस्फोटकों की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए उन्हें विशेषज्ञों की निगरानी में अत्यंत सावधानी के साथ संभाला जा रहा था। इसी प्रक्रिया के दौरान शुक्रवार रात लगभग 11:20 बजे अचानक दुर्घटनावश विस्फोट हो गया। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 पुलिसकर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन नागरिक घायल हुए। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भेजा गया। विस्फोट के कारण पुलिस स्टेशन की इमारत को गंभीर क्षति पहुंची है तथा आसपास की कई इमारतें भी प्रभावित हुई हैं। संयुक्त सचिव ने कहा कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना के कारणों की कोई अन्य अटकलें अनावश्यक हैं। सरकार दुख की इस घड़ी में मृतकों के परिवार के साथ एकजुटता से खड़ी है।

संक्षिप्त खबरें

गुजरातः कच्छ क्षेत्र में बनेंगी 4 नई रेल लाइन, केंद्रीय मंत्रिमण्डल ने दी स्वीकृति

गांधीनगर। पश्चिम रेलवे गुजरात राज्य के कच्छ जिले में दो महत्वपूर्ण नई रेल लाइन देशलपर-हाजीपीर-लूना (81.771 किमी) और वायोर-लखपत (62.686 किमी) नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमण्डल ने स्वीकृति दे दी है। यह जानकारी शनिशार को पश्चिम रेलवे के जन संपर्क विभाग ने दी। भुज-नलिया रेल लाइन का वायोर तक विस्तार और नलिया-जखाऊ पोर्ट नई रेल लाइन (लगभग 194 किमी रु.3375) करोड़ की लागत से बनाई जाएंगी। सीमावर्ती एवं तटीय क्षेत्रों में रेल संपर्क को सुदृढ़ करने, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने तथा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसंरचना को सशक्त करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगी। पश्चिम रेलवे के जन संपर्क विभाग ने बताया कि गुजरात का कच्छ क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों और औद्योगिक क्षमता के मामले में देश के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में गिना जाता है।

बिहारः शॉर्ट सर्किट से लगी आग में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर में शॉर्ट सर्किट से बीती देर रात लगी आग में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जल गए, जिससे सभी की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य बुरी तरह से झुलसे गए हैं जिन्हें मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने पांच लोगों की मौत की की पुष्टि की है। परिवार के सदस्य बाहर भी नहीं निकल पाए। मृतकों में दो बच्चे, उनके माता-पिता और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आग ने घर को अपनी चपेट में ले लिया था। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। जिसके बाद घायलों को तुरंत मेडिकल कॉलेज भेजा गया। डीएसपी पश्चिमी ने बताया कि प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने की जानकारी मिली है। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है, जांच के बाद सटीक कारण स्पष्ट होगा।मुजफ्फरपुर शॉर्ट सर्किट में मृत लोगों की सूची-: ललन कुमार (उम्र-35 वर्ष)-पिता गेना साह, सुशीला देवी (उम्र-60 वर्ष)-पति गेना साह, पूजा कुमारी (उम्र-30 वर्ष)-पति-ललन कुमार, सृष्टि कुमारी (उम्र-07 वर्ष)-पिता ललन कुमार, गोली (उम्र-02 वर्ष)-पिता ललन कुमार।

कर्नाटक के बेलगावी चिड़ियाघर में दो दिन में 28 काले हिरणों की मौत

बेलगावी (कर्नाटक)। बेलगावी के कित्तूर रानी चेन्नम्मा चिड़ियाघर में पिछले तीन दिन में रहस्यमय परिस्थितियों में 28 काले हिरणों की मौत हो गई है। चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सहायक वन संरक्षक नागराज बल्हासूरी के अनुसार आठ काले हिरणों की मौत दो दिन पहले हुई थी, जबकि 20 की मौत शनिवार को हुई। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक को संदेह है कि उनकी मौत किसी जीवाणु संक्रमण के कारण हुई है, हालांकि वास्तविक कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि हमने मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा का नमूना बेंगलुरु के बन्नेरघट्टा प्राणी उद्यान के अधिकारियों को भेज दिया है।

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजद छोड़ी, लगाए गंभीर आरोप

पटना। बिहार की राजनीतिक ने शनिवार उस समय नया मोड़ ले लिया, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने घोषणा की कि वह राजनीति और अपने परिवार दोनों से दूर जा रही हैं। उनकी यह घोषणा बिहार विधानसभा चुनावों में राजद की करारी हार के तुरंत बाद आई है, जिससे आंतरिक असंतोष गहरा गया है और लंबे समय से चली आ रही गुटीय तनाव फिर से उभर आया है।

रोहिणी, जो अक्सर लालू की सबसे मुखर समर्थकों में से एक रही हैं, ने सार्वजनिक रूप से तेजस्वी यादव के करीबी सहयोगियों (संजय यादव) पर पार्टी के पतन का कारण बनने का आरोप लगाया है। उनके इस कदम ने राजद में खलबली मचा दी है, जिससे नेतृत्व की विफलताओं और आंतरिक कुप्रबंधन पर तीखी बहस छिड़ गई है।

रोहणी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से दूरी बना रही हूं.. संजय यादव और रमीज ने मुझे ऐसा करने के लिए कहा था और मैं इसका दोष अपने ऊपर ले रही हूं। रोहिणी के इस संदेश ने राजनीतिक तूफ़ान खड़ा कर दिया और यादव परिवार में बढ़ती दरार की अटकलों के बीच राजद के वरिष्ठ नेता इस कहानी को दबाने की कोशिश में जुट गए। हालांकि, रोहिणी ने सीधे तौर पर तेजस्वी का नाम लेने से परहेज किया, लेकिन 'करीबी सलाहकारों' का उनका जिक्र व्यापक रूप से तेजस्वी के लंबे समय से राजनीतिक रणनीतिकार रहे संजय यादव पर आरोप लगाने के रूप में देखा गया।राजद के सूत्रों का कहना है कि चुनाव नतीजों के बाद से तेजस्वी के करीबी लोगों के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कई लोगों का कहना है कि रोहिणी का यह गुस्सा परिवार के भीतर बढ़ती हताशा का अब तक का सबसे सार्वजनिक संकेत है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 हाल के वर्षों में उसके सबसे खराब प्रदर्शनों में से एक रहा है, जिसके बाद से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता संख्या में बढ़ोतरी के कांग्रेस के सवालों पर दिया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा बिहार में कुल निर्वाचकों की संख्या में अंतर को लेकर उठाए गए सवालों पर चुनाव आयोग ने शनिवार को विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि 6 अक्टूबर को बताई गई संख्या और मतदान के बाद विज्ञप्ति में दर्शायी गई संख्या के बीच का अंतर निर्वाचन नियमों के अनुरूप वैध आवेदनों से जुड़े नए मतदाताओं के कारण हुआ है।

आयोग के अनुसार, 6 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा प्रेस नोट में बिहार में कुल निर्वाचकों की संख्या 7.42 करोड़ बताई गई थी। यह संख्या 30 सितंबर को विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित अंतिम निर्वाचक सूची पर आधारित थी। उस तारीख तक उपलब्ध आधिकारिक सूची में कुल 7.42 करोड़ मतदाता दर्ज थे। चुनाव की घोषणा के बाद भी निर्वाचन नियमों के अनुसार, प्रत्येक चरण में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि से 10 दिन पूर्व तक पात्र नागरिक नया नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं। बिहार चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथियां क्रमशः-पहला चरणः 17 अक्टूबर और दूसरा चरणः 20 अक्टूबर थी।

आयोग ने बताया कि 01 अक्टूबर से लेकर दोनों चरणों में नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पूर्व तक बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों की जांच की गई और जो भी आवेदन नियमों के अनुरूप पाए गए, उन्हें निर्वाचक सूची में शामिल किया गया। आयोग ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अपने अधिकार से वंचित न रहे। इसी प्रक्रिया के परिणामस्वरूप 30 सितंबर के बाद प्राप्त वैध आवेदनों को सम्मिलित करने पर निर्वाचकों की संख्या में लगभग तीन लाख की वृद्धि हुई। संशोधित संख्या-7.45 करोड़-का उल्लेख आयोग ने मतदान उपरांत जारी अपनी आधिकारिक विज्ञप्ति में किया है। आयोग ने दोहराया कि मतदाता सूची में किया गया यह अद्यतन पूरी तरह नियमानुसार है और पारदर्शिता तथा समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।

बिहार में राजग की प्रचंड जीत पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली प्रचंड जीत कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने अविश्वसनीय बताते हुए पूरी चुनाव प्रक्रिया को ही संदिग्ध ठहरा दिया। वेणुगोपाल ने शनिवार को यहां मीडियाकर्मियों से कहा कि बिहार का यह चुनावी नतीजा हम सभी के लिए अविश्वसनीय है। 90 प्रतिशत का इस तरह का स्ट्राइक रेट भारतीय इतिहास में अभूतपूर्व है। कांग्रेस इस परिणाम का डाटा इकट्ठा कर रही है और गहन विश्लेषण कर रही है। एक-दो सप्ताह के भीतर पार्टी ठोस सबूत पेश करेगी। उन्होंने कहा कि पूरी निर्वाचन प्रक्रिया ही संदिग्ध है। उन्होंने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि इसमें पारदर्शिता नहीं है।

सेना के गजराज कोर ने 16 हजार फीट की ऊंचाई पर तैनात की मोनो रेल सिस्टम

कामेंग (अरुणाचल प्रदेश)। कामेंग हिमालय की दुर्गम ऊँचाइयों पर, जहां सड़कें गायब हो जाती हैं और मौसम एक दुष्कर बन जाता है, वहां भारतीय सेना की गजराज कोर ने एक बड़ी सफलता हासिल की है।

गजराज कोर ने अरुणाचल प्रदेश में लगभग 16,000 फीट की ऊँचाई पर एक स्वदेशी उच्च-ऊंचाई वाली मोनो रेल प्रणाली तैनात की है, जिसका उद्देश्य अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों तक तेज, सुरक्षित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। सबसे दुर्गम और मौसम से प्रभावित उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यह प्रणाली एक बार में 300 किलोग्राम तक का भार ले जाने में सक्षम है। इस क्षेत्र की अग्रिम चौकियों को अक्सर बर्फबारी, भूस्खलन और अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण आपूर्ति लाइनों में रुकावट का सामना करना पड़ता है। यह तात्कालिक समाधान न केवल रसद को मजबूत करता है, बल्कि हेलीकॉप्टरों की पहुँच से बाहर के क्षेत्रों में हताहतों को तेज़ी से निकालने की क्षमता भी प्रदान करता है। भारत की पूर्वी हिमालयी सीमा का भूभाग रसद और संचालन के लिए सबसे कठिन भूभागों में से एक है। अरुणाचल के कामेंग सेक्टर में, ये चुनौतियाँ गंभीर हैं।

इससे कठोर मौसम, दुर्गम चट्टानों और दिनों तक कट जाने वाले मार्गों के बीच इससे अग्रिम चौकियों तक आवश्यक सामग्री, गोला-बारूद, ईंधन और इंजीनियरिंग सामान पहुंचाना काफी सुगम हुआ है। मोनो रेल की तैनाती के संबंध में लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि यह मिशन-महत्वपूर्ण भंडार, गोला-बारूद, राशन, ईंधन, इंजीनियरिंग उपकरण और अन्य भारी या असुविधाजनक भार को खड़ी, अस्थिर ढलानों पर सुचारू रूप से ले जाने को सुनिश्चित करता है जहां पारंपरिक परिवहन विधियां अक्सर विफल हो जाती हैं।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा, दो प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच जारी है। इसी बीच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच का दायरा तेजी से बढ़ाते हुए पुलिस ने यूनिवर्सिटी के विरुद्ध दो प्राथमिकी दर्ज की हैं। एक धोखाधड़ी और दूसरी फर्जीवाड़े के आरोपों में है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूरी कार्रवाई तब और अहम हो जाती है जब यह सामने आया कि शिकायत सीधे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से दर्ज कराई गई है। यूजीसी और एनएएसी की समीक्षा टीमों ने अपनी रिपोर्ट में अल-फलाह यूनिवर्सिटी में गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि की थी। सूत्रों के अनुसार पहली एफआईआर सेक्शन 12 के उल्लंघन से जुड़ी है जबकि दूसरी यूनिवर्सिटी द्वारा मान्यता के कथित फर्जी दावों से संबंधित है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह भाजपा से निलंबित

पटना। बिहार के आरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह (आर के सिंह) को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के परिणाम घोषित होने के साथ ही पार्टी विरोधी गितिविधी में शामिल होने के आरोप में उन्हें भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है।

आर के सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है, लेकिन कई सीटों पर आंतरिक कलह और बागी उम्मीदवारों के कारण पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। आर.के. सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई चुनाव प्रचार के दौरान और उसके आस-पास पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायतें मिलने के बाद की गई है। आर के सिंह पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव के दौरान पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ काम किया और सार्वजनिक रूप से कुछ ऐसे बयान दिए, जो गठबंधन और पार्टी के हितों के विरुद्ध थे। माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने उनकी गतिविधियों को अनुशासनहीनता मानते हुए यह सख्त फैसला लिया, ताकि संगठन में एक कड़ा संदेश दिया जा सके। राज कुमार सिंह का जन्म 20 दिसंबर 1952 को हुआ था। वे साल 2014 के 4 जून 2024 तक आरा, बिहार से भारतीय संसद के सदस्य रहे। आर के सिंह 1975 बैच के बिहार कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी और भारत के पूर्व गृह सचिव हैं । 3 सितंबर 2017 को उन्हें प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल में बतौर ऊर्जा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शामिल किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

दूसरी बार नंबरों की नीलामी आज से शुरू होगी

नोएडा। हल्के वाहनों की नई सीरीज यूपी 16एफएच के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की दूसरी बार की नीलामी रविवार से शुरू होगी। जिन लोगों ने नीलामी में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण कराया है वे परिवहन विभाग की वेबसाइट www.parivahan.gov.in पर नीलामी में हिस्सा ले सकते हैं। नीलामी के नतीजे जारी होने के बाद बचे आकर्षक और अति आकर्षक नंबर पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर वाहन मालिक बुक कर सकेंगे। इसमें जो नंबर व्यक्ति पहले बुक कर लेगा, उसके वाहन के लिए उसे आवंटित कर दिया जाएगा।

जनपद में डेंगू के दो नए मरीज मिले

नोएडा। डेंगू के दो नए मरीजों की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को की। अब मरीजों की संख्या 653 हो गई है। मरीजों के घर और आसपास एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव कराया गया है। सितंबर और अक्टूबर के मुकाबले नवंबर महीने में मरीजों की संख्या कम हुई है। नवंबर के अंतिम हफ्ते से मरीजों की संख्या में काफी कमी आने की संभावना है। डेंगू के सबसे अधिक मरीज सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में मिलते हैं।

घर पर सफाई करने आई महिला आभूषण लेकर फरार

नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के सेक्टर-12 स्थित एक घर में 10 दिन पूर्व सफाई करने आई महिला लाखों के आभूषण चोरी करके फरार हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-12 में रहने वाले गणेश चंद्र ने पुलिस को बताया कि पांच नवंबर को एक महिला उनके घर पर सफाई का काम मांगने के लिए आई। उसने अपना नाम रेखा बताया। उन्होंने महिला को काम की जानकारी दी और पहचान पत्र लाने के लिए कहा। अगले दिन छह नवंबर को परिवार के लोग पहली मंजिल पर थे। सुबह करीब 11 बजे से 11.30 बजे के बीच नीचे आए तो देखा अलमारी खुली हुई है। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर पता चला कि कीमती आभूषण चोरी हो गए। पीड़ित का कहना है कि महिला ने ही उनके घर से आभूषण चोरी किए हैं।

ई-रिक्शा से जा रहे दुकानदार का मोबाइल लूटा

नोएडा। सेक्टर-39 थानाक्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने ई-रिक्शा से जा रहे दुकानदार को मोबाइल लूट लिया। बदमाशों ने उसे धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया। थाने में दी शिकायत में सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले इकबाल आलम ने बताया कि 31 अक्तूबर को वह ई-रिक्शे से अपनी दुकान पर जा रहे थे। रास्ते में एक जगह जब रिक्शा धीमे हुआ, तभी पीछे से बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और मोबाइल झपट ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान

ग्रेटर नोएडा। बाल दिवस के उपलक्ष्य में गुरुकुल म्यूजिकोलॉजी फाउंडेशन के तत्वावधान में शनिवार को नन्हक फाउंडेशन परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कविता, गीत और चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। बच्चों ने कला प्रतियोगिता और गायन प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

युवती को फोन कर परेशान करने का आरोप

दादरी। जारचा के एक गांव में रहने वाली युवती को फोन कर परेशान करने का मामला सामने आया है। युवती के भाई ने आरोपी युवक कपिल यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत के मुताबिक आरोपी उनकी बहन को फोन कर परेशान कर रहा है। सोशल मीडिया पर बदनाम करने और शादी तुड़वाने की धमकी दे रहा है। कस्बे में आते-जाते युवती को रोककर तंग कर रहा है। कोतवाली प्रभारी का कहना कि पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नोएडा। सेक्टर-54 में सड़क पर कूड़ा फेंकने और जलाने के मामले में प्राधिकरण ने शनिवार को कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। बताया जा रहा है कि कंपनी किसी दूसरी जगह है, वहां से कूड़ा लाकर सेक्टर-54 में फेंका जा रहा था। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इंदु प्रकाश और गौरव बंसल के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को औद्योगिक क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सामने आया कि मास्टर प्लान रोड नंबर-2 पर सेक्टर-54 के सामने मैसर्स अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड के बैग्स में कूड़ा भरा हुआ था। इन बैग्स के आधार पर प्राधिकरण की टीम ने जांच की तो पता चला कि यह कंपनी सेक्टर-60 के बी ब्लॉक में है। कंपनी पहुंचने पर वहां पर नजर आया कि ग्रैप के नियमों का उल्लंघन कर सड़क पर ही कूड़ा डालकर उसको जलाया जा रहा था। ऐसे में कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

बिजली की आपूर्ति को लेकर ऊर्जा मंत्री ने की समीक्षा बैठक

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने की जनपद में अत्याधुनिक कमर्शियल कार्यालय स्थापित करने की घोषणा

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर दौरे पर आये ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के एमडी सहित अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने के सख्त निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने नोएडा में नवीनतम अत्याधुनिक कमर्शियल कार्यालय स्थापित करने की घोषणा की। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने गौतमबुद्ध नगर भ्रमण के दौरान नोएडा में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने गौतमबुद्ध नगर और विशेषकर नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर विस्तृत दिशा निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट एक महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, इसलिए यहां 24×7 निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार का अनावश्यक शटडाउन न लिया जाए, ताकि उपभोक्ताओं एवं औद्योगिक इकाइयों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शटडाउन केवल अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में ही, और पूर्व सूचना के साथ लिया जाए। बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री ने नोएडा में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक दक्ष एवं उपभोक्ता हितैषी बनाने पर जोर दिया। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने घोषणा की कि नोएडा में एक अत्याधुनिक एवं नवीनतम कमर्शियल ऑफिस भवन बनाया जाएगा, जिसमें विभाग के सभी अधिकारी एक ही परिसर में साथ बैठ सकेंगे। इससे विभागीय समन्वय, कार्यक्षमता तथा उपभोक्ता सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विद्युत लाइनों के रखरखाव, ट्रांसफॉर्मर क्षमता वृद्धि, बिलिंग एवं राजस्व वसूली प्रणाली को मजबूत करने सहित कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और फील्ड कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

गाड़ी हटाने के विवाद में कार सवार युवकों ने टैक्सी चालक को पीटा

दादरी। जारचा के रसूलपुर गांव में एक दुकान के सामने खड़ी टैक्सी नहीं हटाने पर विवाद हो गया। कार में सवार तीन लोगों ने टैक्सी चालक के साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। रसूलपुर गांव में रहने वाले विनीत तोमर अपनी निजी कार टैक्सी में चलाते हैं। शुक्रवार की रात वह अपना काम कर टैक्सी से वापस अपने घर लौट रहे थे। गांव के समीप एक दुकान के सामने गाड़ी खड़ी कर मूंगफली खरीदने लगे। इसी बीच एक गाड़ी में सवार तीन लोग पीछे से आए और गाड़ी हटाने के लिए हॉर्न बजाने लगे। पीड़ित ने कहा की गाड़ी आगे खड़ी कर लो आगे काफी जगह है। इस बात पर इनके बीच विवाद हो गया। पीड़ति ने बताया कि तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान पीड़ित का मोबाइल कहीं गिर गया। पीड़ति ने शोर मचाया तो आरोपी जल्दबाजी में कार में बैठकर फरार हो गए। इस बीच जल्दबाजी में उनकी पिस्टल भी वहीं गिर गई। पीड़ित अपना फोन ढूंढने लगा तो उसे पिस्टल भी पड़ी मिली। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की और आरोपियों की पिस्टल भी पुलिस को सौंप दी। अब इस मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

संपूर्ण तहसील समाधान दिवस: 142 शिकायतें दर्ज, 11 का मौके पर निस्तारण

नोएडा। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान 142 शिकायतें दर्ज हुई, 11 का अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही निस्तारण किया गया। डीएम मेधा रूपम ने सदर तहसील में जनता की समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समस्याओं का निराकरण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का जनता को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए शासन गंभीर है।

अतः अधिकारी निस्तारण में कोताही न बरतें और प्राथमिकता के साथ प्रत्येक शिकायत का मौके पर जांच कर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। वहीं डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों का स्पष्टीकरण जारी करने एवं एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। सदर तहसील में कुल 8 शिकायतें दर्ज की गईं, जिसके सापेक्ष 2 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। इस अवसर पर डीएम द्वारा तम्बाकू मुक्त युवा 3.0 अभियान का शुभारंभ भी किया गया। इस दौरान एचएल इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवकांत द्विवेदी ने बताया कि इस अभियान के तहत जनपद के सभी शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र कुमार ने तंबाकू मुक्त युवा पीढ़ी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी गाँवों को भी तंबाकू मुक्त बनाया जाएगा। तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की डॉ. श्वेता खुराना ने तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थानों के मानकों की जानकारी दी और बताया कि 100 गज के दायरे में तंबाकू की बिक्री दंडनीय है। नशा छोड़ने के लिए मानस हेल्पलाइन 1933 की जानकारी भी साझा की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को तंबाकू व नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई गई।

इसी क्रम में दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 84 शिकायते दर्ज की गईं, जिसके सापेक्ष 7 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। जेवर तहसील में उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसके सापेक्ष 2 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे 50 हजार के इनामी को यूपी एसटीएफ ने पकड़ा

नोएडा। यूपी एसटीएफ ने जेवर कोतवाली पुलिस के सहयोग से राजस्थान से 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश गुरदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। वह एक साल से फरार था और अपने साथी के साथ मिलकर करोड़ों रुपये के जमीन के फर्जीवाड़े में शामिल था। पुलिस आरोपित के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वह करीब एक साल से फरार चल रहा था। एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को सूचना मिली कि जेवर कोतवाली में दर्ज धोखाधड़ी के एक मुकदमे में वांछित आरोपित गुरदीप सिंह देश से कहीं बाहर भागने की फिराक में है। एसटीएफ की टीम ने जेवर कोतवाली पुलिस के सहयोग से राजस्थान के भिवाड़ी क्षेत्र में पहुंचकर आरोपित गुरदीप सिंह को धर दबोचा और उसे शुक्रवार की रात को जेवर थाने लाया गया। उनके मुताबिक पकड़ा गया आरोपित गुरदीप सिंह अलवर राजस्थान का रहने वाला है। गुरदीप सिंह ने करीब एक साल पहले अपने एक साथी के साथ मिलकर करोड़ों रुपये के जमीन के फर्जीवाड़े को अंजाम दिया था। इस मामले में जेवर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से यह फरार चल रहा था। पुलिस ने गुरदीप सिंह पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। एसटीएफ की टीम ने काफी प्रयास के बाद आरोपित गुरदीप सिंह को गिरफ्तार किया है।

सौर ऊर्जा बनाने वाली कंपनी को यीडा ने 200 एकड़ जमीन किया आवंटित

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने उत्तर प्रदेश सरकार की स्वीकृति के बाद शुक्रवार को 8,200 करोड़ रुपये के निवेश से एक एकीकृत सौर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए, एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी एसएईएल सोलर पी-6 प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर -8 में लगभग 200 एकड़ औद्योगिक भूमि आवंटित की है।

प्रस्तावित सुविधा में टॉपकॉन तकनीक आधारित 5 गीगावाट सौर सेल निर्माण और 5 गीगावाट सौर मॉड्यूल निर्माण लाइनें शामिल होंगी। यह आवंटन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यीडा और यूपी इन्वेस्ट के तहत एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड को दिए गए पूर्व के आराम पत्र के बाद जारी किया गया है और अब यीडा के आवंटन पत्र के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया है। यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह और ओएसडी शैलेंद्र कुमार भाटिया ने आज एसएईएल के अधिकारियों को आवंटन पत्र सौंपा। यह सुविधा जेवर हवाई अड्डे के पास यमुना एक्सप्रेसवे कॉरिडोर में स्थित होगी, जिसे राज्य के समग्र बुनियादी ढाँचे और विनिर्माण क्षेत्र में एक रणनीतिक औद्योगिक-विकास क्षेत्र के रूप में नामित किया गया है। यह आवंटन नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विनिर्माण निवेश को सुविधाजनक बनाने में यीडा की सक्रिय भूमिका को और रेखांकित करता है। एसएईएल की नई सौर परियोजना से क्षेत्र के बुनियादी ढाँचे के लाभों - आगामी जेवर हवाई अड्डे और लॉजिस्टिक्स केंद्रों से कनेक्टिविटी और विनिर्माण-आधारित विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की नीतिगत प्रोत्साहन - का लाभ उठाने की उम्मीद है।

एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक विविध और एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है, जो सौर मॉड्यूल निर्माण, इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण, और बिजली परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव में सक्षम है। इसके विविध स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो में 8299.5 मेगावाट सौर आईपीपी, 3,625 मेगावाट टॉपकॉन सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता और 164.90 मेगावाट कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।

भगवान बिरसा मुंडा ने स्वतंत्रता आंदोलन में नई चेतना का संचार किया : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में शनिवार को 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर समाज और राष्ट्र उत्थान में उनके अद्वितीय योगदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि भगवान बिरसा मुंडा ने स्वतंत्रता आंदोलन में नई चेतना का संचार किया और आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए अदम्य संघर्ष किया। उनका साहस, त्याग और नेतृत्व राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उनकी संघर्षगाथा सदियों तक आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पण और सेवाभाव की प्रेरणा देती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में घोषित 'जनजातीय गौरव दिवस' की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिवस हमारे जनजातीय नायकों के शौर्य, संस्कृति और योगदान को राष्ट्रीय सम्मान देने का संकल्प है। इसके अलावा मुख्यमंत्री दिल्ली सचिवालय में आचार्य श्रीमद् विजय हंसरत्नसूरीश्वर महाराज के सम्मान में सरकार द्वारा आयोजित दिव्य सत्कार समारोह में सम्मिलित हुई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ-आठ बार 180 दिनों की कठोर तपस्या करना अविश्वसनीय आत्मबल और अदम्य धैर्य का परिचायक है। गुरुजी की तपस्या हमें आत्मसंयम, सेवा और मानव कल्याण का गहरा संदेश देती है।

उन्होंने कहा कि जैन मुनियों की तप साधना का इतिहास सदियों पुराना है। उनकी साधना ने समाज को हमेशा शांति, करुणा और बंधुत्व का मार्ग दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी परंपरा में आचार्य हंसरत्नसूरीश्वर जी महाराज की तपशक्ति एक विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। 180 दिनों का कठिन निराहार व्रत उन्होंने आठवीं बार पूरा कर मानव जीवन में तप और अनुशासन की असाधारण क्षमता को सिद्ध किया है। गुरुजी की साधना से हमें नई प्रेरणा, नई शक्ति और जीवन के प्रति एक नई दृष्टि प्राप्त होती है। इस अवसर पर कैबिनेट कपिल मिश्रा एवं जैन समाज के अनेक सदस्यों की उपस्थिति रही।

पुलिस ने लाल किला विस्फोट में शामिल कार के पास खड़ी गाड़ियों का पता लगाया

नई दिल्ली। लाल किले के पास हुए विस्फोट से पहले की घटनाओं के सटीक क्रम का पता लगाने का प्रयास करते हुए जांचकर्ताओं ने उस पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन की एक विस्तृत सूची तैयार की है, जहां विस्फोट में शामिल कार तीन घंटे तक खड़ी रही थी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता इन वाहनों की पंजीकरण संख्या का पता लगा रहे हैं और इनके चालकों एवं मालिकों से इस बारे में पूछताछ कर रहे हैं कि क्या उन्होंने हरियाणा में पंजीकृत उस हुंदै आई20 को देखा था जो विस्फोट में शामिल थी। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने विस्फोट के पीछे की गहरी साजिश की जांच के लिए आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत एक अलग प्राथमिकी दर्ज की है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं के तहत पहले दर्ज की गई प्राथमिकी को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को स्थानांतरित कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में शामिल कार के चालक डॉ. उमर नबी ने सोमवार को जब उसे पार्किंग स्थल में खड़ा किया था तब उसके आस-पास कई गाड़ियां खड़ी थीं। एक सूत्र ने कहा, "उस समय वहां मौजूद हर वाहन चालक का पता लगाया जा रहा है ताकि यह मालूम हो सके कि क्या उन्होंने एचआर-26 कार देखी थी, उसमें कितने लोग थे और क्या उमर के साथ कोई और भी था।" एक अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने चालकों को उमर की तस्वीर दिखाई ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह कार में अकेला था या पार्किंग क्षेत्र में तीन घंटे तक रहने के दौरान कोई और भी वाहन में आया या उससे बाहर निकला था।

कार विस्फोट के दौरान बुरी तरह हिला लाल किला मेट्रो स्टेशन, CCTV फुटेज में आया नजर

लाल किला मेट्रो स्टेशन के अंदर से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज में पता चला है कि कार विस्फोट के समय स्टेशन बुरी तरह हिल गया था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। स्टेशन के अंदर लगे निगरानी कैमरों की फुटेज में यात्री सामान्य रूप से आते-जाते नजर आ रहे हैं, तभी ठीक उसी समय अचानक तीव्र कंपन ने परिसर को हिला दिया जब पास के यातायात सिग्नल पर कार में विस्फोट हुआ था। वीडियो में नजर आ रहा है कि कंपन के कारण स्टेशन के अंदर की चीजें हिलने लगीं एवं लोगों को झटके लगे। फुटेज में विस्फोट का असर स्पष्ट होते ही कुछ यात्री स्टेशन के अंदर की ओर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता विस्फोट की तीव्रता और लाल किले के आसपास की संरचनाओं पर इसके तत्काल प्रभाव को बेहतर ढंग से समझने के लिए फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं। घटना के दिन से ही लाल किला मेट्रो स्टेशन बंद है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम दैनिक आधार पर अद्यतन जानकारी जारी कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

गोविंदपुरी में चाकूबाजी से युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी के प्रवासी एकता पार्क कैंप इलाके में शुक्रवार देर रात चाकूबाजी की वारदात से हड़कंप मच गया। 23 वर्षीय युवक पर अचानक हुए हमले में उसे गंभीर चोटें आईं। पुलिस की मदद से उसे तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की गर्दन और पेट पर दो गहरे घाव मिले हैं। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की रात करीब 10 बजे पुलिस को पीसीआर से चाकूबाजी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही गोविंदपुरी पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक की हालत नाजुक हो चुकी थी। पुलिस ने युवक को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इधर, पुलिस ने मौके का गहन निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। घटना के बाद पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। सुराग मिलने के बाद पुलिस ने तेजी दिखाते हुए अमन उर्फ बुद्धा (19 वर्ष) को धर दबोचा। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ कि मृतक और आरोपित के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जो आगे चलकर जानलेवा झगड़े में बदल गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना में कुछ और लोग भी शामिल थे। उनकी पहचान कर ली गई है और उन्हें पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी चल रही है।

आईपीयू के मेडिकल एवं नर्सिंग प्रोग्राम में दाखिले के लिए पंजीकरण 17 नवंबर तक

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के मेडिकल प्रोग्राम- एमबीबीएस (कोड 103) एवं नर्सिंग प्रोग्राम- बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग (कोड 115) में दाखिले के लिए स्ट्रे राउंड की काउंसलिंग के लिए 17 नवंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण किया सकता है। इन प्रोग्राम में दाखिले के लिए जिन उम्मीदवारों ने 2500 रुपये आवेदन शुल्क के रूप में जमा कर पंजीकरण कर रखा है वे इन प्रोग्राम के लिए भरे हुए फॉर्म में रीजन, कैटेगरी, रैंक इत्यादि से संबंधित संशोधन भी 17 नवंबर तक कर सकते हैं। इस दौरान नीट यूजी का रैंक कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आरक्षण से संबंधित प्रमाण पत्र इत्यादि भी भरे हुए फॉर्म के साथ 17 नवंबर तक अपलोड किए जा सकते हैं। 17 नवंबर तक इन दोनों प्रोग्राम के लिए विकल्प चयन भी किया जा सकता है। इन दोनों प्रोग्राम में दाखिले के लिए आयोजित की गई इस स्ट्रे राउंड ऑनलाइन काउंसलिंग का परिणाम 17 नवंबर या उसके बाद घोषित कर दिया जाएगा। इन दोनों प्रोग्राम की काउंसलिंग का परिणाम घोषित होने के बाद का शेड्यूल विश्वविद्यालय वेबसाइट पर बाद में डाला जाएगा। इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की दोनों वेबसाइट पर उपलब्ध है।

निवेश और इंसेंटिव के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल यूनिट ने निवेश और ऑनलाइन इंसेंटिव के नाम पर लोगों से लाखों की ठगी करने वाले दो साइबर ठगों को गिरफ्तार कर एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को आंध्र प्रदेश के अनंतपुर और उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-58 से पकड़ा गया। क्राइम ब्रांच की पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि साइबर सेल की जांच में सामने आया कि दोनों आरोपित ऑनलाइन निवेश, स्टॉक मार्केट और फर्जी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को झांसा देते थे। दो अलग-अलग मामलों में आरोपितों ने मिलकर पीड़ितों से 50 लाख से ज्यादा की राशि हड़पी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पहले मामले में पीड़ित से 23,80,490 की रकम स्टॉक मार्केट में निवेश का झांसा देकर ठगी गई। आरोपित सुनील कुमार रेड्डी (44) जो अनंतपुर (आंध्र प्रदेश) का रहने वाला है। वह एमबीए पास है और बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव है। वह खुद को इन्वेस्टमेंट एडवाइजर बताकर लोगों को भरोसा दिलाता था। जांच के दौरान सभी बैंक खातों को फ्रीज कर 5 लाख रुपये की राशि वापस दिलाई गई। लगातार तकनीकी निगरानी और पूछताछ के बाद आरोपित को आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। वहीं, दूसरे मामले में लखनऊ के टाटा क्रोमा में काम करने वाले एक निजी कर्मचारी से 26,49,180 की ठगी की गई। इसमें आरोपित आयुष सेमवाल (21) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित गौतमबुद्ध नगर का रहने वाला है।

दिल्ली में प्रदूषण का मुख्य कारण पीएम10, 62 हॉटस्पॉट चिन्हित : पर्यावरण मंत्री सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का स्तर मुख्य रूप से निर्माण गतिविधियों, धूल भरी सड़कों और यातायात की भीड़ से होने वाले पीएम10 उत्सर्जन के कारण बढ़ रहा है और सरकार हॉटस्पॉट की पहचान तेज कर रही है। सिरसा ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था और सड़कों की स्थिति में ₹काफी सुधार₹ की आवश्यकता है, तथा स्थानीय रखरखाव में खामियां वायु गुणवत्ता में गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सर्दियों की शुरुआत के साथ स्थिति और बिगड़ रही है। धूल धीरे-धीरे धुंध में बदल रही है। उन्होंने कहा, ₹स्वच्छ दिल्ली की लड़ाई 10 प्रमुख प्रदूषणकारी कारकों के खिलाफ है। पराली जलाने से भी इसमें इजाफा होता है, लेकिन बुवाई का मौसम शुरू होने के साथ ही इसका असर कम होने लगेगा।₹ सिरसा ने यह भी कहा कि दिल्ली पड़ोसी क्षेत्रों में स्थानांतरित की गई औद्योगिक इकाइयों से होने वाले उत्सर्जन से प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा, ₹सीमावर्ती क्षेत्र अभी भी प्रभावित हो रहे हैं और दिल्ली सरकार इस पर भी काम कर रही है।₹ इस मौसम में पहली बार 11 नवंबर को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में प्रवेश कर गया, यह स्तर आखिरी बार दिसंबर 2024 में दर्ज किया गया था। लगातार तीन दिनों तक 'गंभीर' श्रेणी में रहने के बाद, एक्यूआई में थोड़ा सुधार हुआ और शुक्रवार को यह 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गया।

सीएम ने कहा - 25 दिसंबर से शुरू होगी अटल कैंटीन योजना

मुख्यमंत्री ने किया निर्माण स्थल का निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा के हैदरपुर में बनने वाली अटल कैंटीन के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर 25 दिसंबर से हमारी सरकार 'अटल कैंटीन योजना' शुरू करने जा रही है।

राजधानी के 100 स्थानों पर यह योजना प्रारंभ होगी, जहां नागरिकों को मात्र पांच रुपये में स्वच्छ, गरम और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग में जेजे क्लस्टर निवासियों के लिए मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इसमें नालियों का निर्माण, पक्की गलियों का विकास, पानी की लाइनों का विस्तार, क्षेत्र में नई स्ट्रीट लाइटें लगाने और 60 सीटर शौचालय के निर्माण का काम शुरू शामिल है। उन्होंने कहा कि ये सभी कार्य लोगों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि जल्द ही 500 गज के परिसर में नया स्कूल, बारात घर शुरू किए जाएंगे। अगले दो वर्षों में यहां के अस्पताल को भी सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जाएगा, ताकि क्षेत्र के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्लस्टर बस्तियों के जीवन स्तर को निरंतर बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने गोविंद मोहल्ला, शालीमार बाग में नालियों और सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए स्थानीय निवासियों से क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर गली और हर कॉलोनी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए तेजी से काम कर रही है। सड़क, नाली, पानी और शौचालय जैसी जरूरी सेवाओं को हम लगातार मजबूत कर रहे हैं, ताकि लोगों का दैनिक जीवन और अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित हो सके। मुख्यमंत्री ने शालीमार विलेज चौक रोड के विस्तार कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

सचदेवा ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम अनुसूचित जनजाति मोर्चा, भाजपा दिल्ली प्रदेश द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर अनुसूचित जनजाति मोर्चा, भाजपा दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर उनके अदम्य साहस, संघर्ष और समाजोद्धार के महान योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा की उपस्थिति रही। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्षों को याद करते हुए जनजातीय समुदाय के गौरव को रेखांकित किया गया। भाजपा दिल्ली प्रदेश की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और जनजातीय समुदाय के सदस्य शामिल हुए।

श्रीनगर के पुलिस स्टेशन में हुए बम धमाके को केजरीवाल ने बताया दुखद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार देर रात श्रीनगर के एक पुलिस स्टेशन में हुए बम धमाके की खबर को दुखद बताया और चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश जवाब मांग रहा है। अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि देर रात श्रीनगर के एक पुलिस स्टेशन में हुए बम धमाके की खबर बेहद दुखद और चिंता बढ़ाने वाली है। कई बहादुर पुलिसकर्मी शहीद हो गए और कई घायल हैं। परमात्मा शहीदों के परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें और घायलों को जल्द स्वस्थ करें। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाए हैं। केजरीवाल ने कहा कि सरकार से ये सवाल जरूरी है कि आखिर देश में ये हो क्या रहा है? सरकार, सुरक्षा एजेंसियां और खुफिया तंत्र क्या कर रहे हैं? देश की सुरक्षा के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ कैसे और क्यों होने दिया जा रहा है? अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली धमाके की गूंज अभी थमी भी नहीं थी और देश फिर एक धमाके से दहल गया।

दिल्ली के सिगार किचन एंड बार के बाहर फायरिंग मामले में 4 को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले में सिगार किचन एंड बार के बाहर हुई फायरिंग की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन नाबालिग समेत चार लोगों को पकड़ा है। गिरोह का मास्टरमाइंड एक नाबालिग है, जो 'शाहदरा शूटर' नाम से इंस्टाग्राम ग्रुप चलाता था। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने शनिवार को बताया कि मामला नौ नवंबर की रात झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगार किचन एंड बार में रात 10:40 बजे दो युवक स्कूटी पर वहां से गुजरे और गोली जैसी आवाज सुनाई दी। मैनेजर बब्बर ने पुलिस को बताया कि कुछ देर बाद रात 12:40 बजे वही स्कूटी और एक बाइक फिर से बार के बाहर रुकी। बाइक सवारों ने उन पर जानलेवा फायरिंग कर दी। गार्ड रवि ने जवाबी फायरिंग कर दो राउंड चलाए। मौके से सात खोखे और एक लाइव राउंड बरामद हुए। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस के अलावा जिले की स्पेशल स्टाफ को जांच में लगाया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी की गहन जांच की। तकनीकी टीम और मुखबिरों की मदद से पुलिस ने आरोपितों की पहचान की और चार को पकड़ा। पकड़े गए आरोपित की पहचान विश्वास नगर निवासी मनव (19) और तीन नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी के अनुसार मनव पर पहले से एक मामला दर्ज है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में पता चला है कि आरोपितों का गिरोह पहले फायरिंग कर वीडियो बनाता था फिर उगाही करता था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि योगी शर्मा उर्फ योगी और उसके साथी एक उगाही सिंडिकेट चला रहे हैं। वे दुकानों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर फायरिंग कर उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग करते हैं। इसके बाद वीडियो दिखाकर पीड़ितों को धमकाते और पैसे वसूलते हैं। उन्होंने नाबालिग शूटर से जांगी ऐप के जरिए संपर्क किया और प्रति शूटर एक लाख देने का लालच दिया। जांच में पता चला कि पहली कोशिश में वीडियो ठीक से नहीं बन पाया। इसलिए दूसरी बार पांचों आरोपित स्कूटी व बाइक पर पहुंचे और कई राउंड फायर कर वीडियो बनाया। इसी दौरान गार्ड की गोली लगने से मनव घायल हो गया। उसने अस्पताल में गिरकर चोट लगने का झूठा बयान दिया। वहीं पकड़ा गया नाबालिग "शाहदरा शूटर" नाम से एक इंस्टाग्राम ग्रुप चलाता है, जिसमें वह क्राइम वीडियो पोस्ट कर फॉलोअर्स बढ़ाता था। वह 2023 में विवेक विहार इलाके में हुए एक हत्या मामले में भी शामिल रहा है।

'भारत की सभ्यतागत विरासत और धर्म-आधारित सामुदायिक शासन' पर डीयू में सेमिनार आयोजित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के विधि संकाय में 5 वर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम (आईएलसी) की साहित्यिक एवं वाद-विवाद समिति ने डीयू संस्कृति परिषद के सहयोग से ₹भारत की सभ्यतागत विरासत और धर्म-आधारित सामुदायिक शासन₹ शीर्षक से संगोष्ठी का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज स्थित कन्वेंशन हॉल में आयोजित इस संगोष्ठी में प्रमुख कानून विशेषज्ञों ने कानूनी ढांचों के माध्यम से भारत की स्थापत्य और धार्मिक विरासत के संरक्षण, ऐतिहासिक राम मंदिर निर्णय और समकालीन भारत में धर्म-आधारित सामुदायिक शासन मॉडलों को लागू करने की अनिवार्यता पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता जे. साईं दीपक तथा एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड विष्णु शंकर जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि भारत में धर्म आधारित शासन व्यवस्था का आग्रह सदा से रहा है। भारत ने शत्रु से भी धर्म आधारित व्यवहार किया। ऐसा राष्ट्र अपनी अच्छाइयों के बाद भी गुलाम रहा। भारत का और भारत के समाज का ज्यादा अच्छा होना ही गुलामी का कारण बना। उन्होंने गीता के एक श्लोक के हवाले से कहा कि अहिंसा परमोधर्म है, लेकिन उसी श्लोक के अगले भाग में लिखा गया है कि धर्म के लिए हिंसा भी स्वीकार्य है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, वरिष्ठ अधिवक्ता जे. साईं दीपक ने डीयू के विधि संकाय को धन्यवाद दिया और नव स्थापित केंद्र के माध्यम से भारतीय दर्शन को व्यावहारिक कार्यान्वयन से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने 1911-1947 के औपनिवेशिक तुष्टिकरण काल के दौरान भारत के लचीलेपन पर चर्चा की और इतिहास, भाषा, धर्मशास्त्र, कानून और अर्थशास्त्र को एकीकृत करते हुए सभ्यतागत अध्ययन के लिए एक अंत:विषय दृष्टिकोण की वकालत की।

उन्होंने चेतावनी दी कि "शहरीकरण" और "आधुनिकीकरण" पारंपरिक स्थानों के लिए खतरा हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सच्चा समुदाय-आधारित शासन तभी कारगर होता है जब समुदाय कीमत चुकाता है और यूरोप के "ग्रामीकरण" के चलन को एक सबक के रूप में उद्धृत किया। उन्होंने जोर देकर कहा, "समुदाय को वही मिलेगा जिसमें वह निवेश करता है।" एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड, विष्णु शंकर जैन ने कहा कि खजुराहो के विष्णु मंदिर जैसे विरासत स्थलों के जीर्णोद्धार के महत्व पर जोर दिया और एएसआई अधिनियम के बारे में भ्रांतियों को दूर करते हुए स्पष्ट किया।

उन्होंने बताया कि धारा 16(1) स्मारकों के धार्मिक स्वरूप की रक्षा करती है और उचित पूजा-अर्चना की अनुमति देती है। उन्होंने राम मंदिर फैसले को एक ऐतिहासिक मोड़ बताया और "एक बार मंदिर, हमेशा मंदिर" सिद्धांत और न्यायिक व्यक्तित्व की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने वक्फ जैसे कानूनों पर भी चर्चा का आग्रह किया।

मंत्री ने राजौरी गार्डन में सफाई व्यवस्था व लोगों की समस्याओं को लिया जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को राजौरी गार्डन के वार्ड 95 (विष्णु गार्डन) के बी-ब्लॉक, बारात घर, जे-6 स्टोर के सामने, ए-ब्लॉक, पोस्ट ऑफिस, एसबीआई बैंक के पास के क्षेत्र का दौरा किया। मंत्री ने इलाके की साफ-सफाई और स्थानीय लोगों की समस्याओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली में सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने और कूड़ा प्रबंधन में सुधार लाने के लिए कई स्तरों पर लगातार प्रयासरत है। दिल्ली की मुख्यमंत्री के आह्वान पर सभी मंत्री दिल्ली भर में साफ सफाई और स्वच्छता के कार्यों की स्वयं निगरानी कर रहे हैं ताकि आने वाले दिनों में दिल्लीवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली मिल सके।

सूद ने बताया कि नगर निगम को अतिरिक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कैबिनेट स्तर पर प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। इसी दिशा में मुख्यमंत्री के निर्देश पर दिल्ली सरकार ने नगर निगम को 175 करोड़ रुपये की विशेष वित्तीय सहायता दी है, ताकि ठेकेदारों का बकाया भुगतान समय पर किया जा सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम में आम आदमी पार्टी के पिछले ढाई वर्षों के कार्यकाल में गलत ठेके दिए जाने और कुप्रबंधन के कारण नगर निगम की व्यवस्था पटरी से उतर गई थी जिसका सीधा असर दिल्ली की सफाई व्यवस्था पर पड़ा।

सूद ने कहा कि पिछले 27 वर्षों में पिछली सरकारों की गैर-जिम्मेदार नीतियों के कारण दिल्ली में कई समस्याएं थीं जिनका समाधान चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। बजट तैयार करने, अनुमान बनाने और टेंडर प्रक्रिया पूरी करने में समय लगता है, लेकिन दिल्ली सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ दिल्ली की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय निवासियों ने मंत्री को बताया कि वार्ड 95 विष्णु गार्डन के कई स्थान पर कूड़ा कई-कई दिनों तक नहीं उठाया जाता और सफाई कर्मचारी यदि आते भी हैं तो वह आधा अधूरा काम करके चले जाते हैं।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

नीतीश ही 'नेता' हैं

बिहार ने इस बार भाजपा-एनडीए को प्रचंड, ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जनादेश दिया है। साबित हो गया कि नीतीश कुमार ही बिहार के 'सर्वोच्च नेता' हैं। चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा गया। यह नीतीश के राजनीतिक करियर की शानदार उपलब्धि है, क्योंकि जनता दल-यू ने 2020 की तुलना में लगभग दोगुनी सीटों पर बढ़त बनाई है। मतगणना के दिन सुबह 9.56 बजे भाजपा 69 और जद-यू 76 सीट पर आगे थीं। उसके बाद भी दोनों साथी दलों की बढ़त 71-71, 75-75, 79-79 बरकरार रही। क्या कमाल का जनादेश मिला है! अंततः भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यदि अंतिम जनादेश यही रहा, तो भाजपा-एनडीए के पक्ष में अभूतपूर्व जनादेश होगा। एनडीए सबसे पहले 190 सीट पर आगे रहा, जबकि तब महागठबंधन 50 सीटों पर ही आगे था। कितना व्यापक फासला था! निश्चित है कि चुनावी मुकाबला एकतरफा साबित हुआ। भाजपा के 'चाणक्य' एवं गृहमंत्री अमित शाह का आकलन भी 160 सीटों के आसपास का था, लेकिन नतीजे 'बंपर' साबित हुए। आश्चर्य है कि नीतीश कुमार 20 लंबे साल तक सत्ता में रहे हैं, उसके बावजूद स्वीकार्य और प्रासंगिक साबित हुए हैं। हमने ऐसा ही विश्लेषण कुछ दिन पहले किया था कि नीतीश के विरुद्ध कोई नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। अब नीतीश को बिहार का नया 'जननायक' मानना चाहिए। यकीनन नीतीश उस जमात और पीढ़ी के 'अंतिम नेता' हैं, जिसने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, 'संपूर्ण क्रांति' के बैनर तले, राजनीति की शुरुआत की थी। जॉर्ज फर्नांडीज, शरद यादव, कर्पूरी ठाकुर, रामविलास पासवान आदि की पीढ़ी दिवंगत हो चुकी है, लालू यादव अस्वस्थ हैं, नीतीश ही शेष हैं, जिन्हें इस ऐतिहासिक जनादेश के बाद 'जननायक' करार देना चाहिए। यह बिहार में नीतीश की स्वीकार्यता और प्रधानमंत्री मोदी की आम आदमी के बीच लोकप्रियता की ही प्रचंड जीत है। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए ने यह लगातार, पांचवां चुनाव जीता है। शुरुआत 2014 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। यह 2010 की भाजपा-एनडीए की आंधी, तूफान वाली जीत की पुनरावृत्ति भी है। सदन में विपक्ष का नेता चुनना भी कठिन लगता है। भाजपा-एनडीए जनादेश महज 'दस हजारी' महिलाओं के बंपर समर्थन का ही जनादेश नहीं है, बल्कि यह बिहार के अधिसंख्य अगड़ों-सवर्णों, पिछड़ों-अति पिछड़ों, दलितों-महादलितों, युवाओं-बुजुर्गों और यहां तक कि मुसलमानों का भी जनादेश है। जाति, धर्म, जमात, नस्ल, लिंग आदि के पार जाकर एनडीए को वोट दिए गए हैं। बेशक यह 'स्वीप' जनादेश है। बिल्कुल कल्पनातीत जनादेश है। यह संपादकीय लिखने तक एनडीए 206 और विपक्षी गठबंधन मात्र 30 सीटों पर बढ़त बनाए थे। भाजपा 95 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, जबकि जद-यू की बढ़त 82 सीटों पर थी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (आर) ने भी 20 सीटों पर बढ़त बना कर अपना अमूल्य योगदान दिया है।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विशेष

भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं।

रमेश सर्राफ धमोरा

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मदारियों को निभा रही है लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनों-दिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामला दर्ज कर लिया जाता है लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक है।

भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तात्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एंव अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं।

वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एंव विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एंव समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एंव वस्तुनिष्ठता इसके आधारभूत तत्व है। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृति आज पत्रकारिता में बढ़ने लगी है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह साल 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बांग्लादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है।

भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है। इसलिये यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। इस दृष्टि से मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी। आजादी के बाद यह एक व्यवसाय बन गई। आपातकाल के दौरान जब प्रेस पर सेंसर लगा था, तब पत्रकारिता एक बार फिर थोड़े समय के लिए भ्रष्टाचार मिटाओं अभियान को लेकर मिशन बन गई थी। धीरे-धीरे पत्रकारिता प्रोडक्शन से सेन्सेशन एवं सेन्सेशन से कमीशन बन गई है। परन्तु इन तमाम सामाजिक बुराइयों के लिए सिर्फ मीडिया को दोषी ठहराना उचित नहीं है। समाज में हमेशा बदलाव आता रहता है। विकल्प उत्पन्न होते रहते हैं। ऐसी अवस्था में समाज असमंजस की स्थिति में आ जाता है। इस स्थिति में मीडिया समाज को नई दिशा देता है। मीडिया समाज को प्रभावित करता है, लेकिन कभी-कभी येन-केन प्रकारेण मीडिया समाज से प्रभावित होने लगता है। हालांकि प्रेस जहां एक तरफ जनता का आईना होता है। वहीं दूसरी ओर प्रेस जनता को गुमराह करने में भी सक्षम होता है। इसीलिए प्रेस पर नियन्त्रण रखने के लिए हर देश में अपने कुछ नियम और संगठन होते हैं। जो प्रेस को एक दायरे में रहकर काम करते रहने की याद दिलाते हैं। प्रेस की आजादी को छीनना भी देश की आजादी को छीनने की तरह ही होता है। चीन, जापान, जर्मनी, पाकिस्तान जैसे देशों में प्रेस को पूर्णतः आजादी नहीं दी गई है। यहां की प्रेस पर सरकार का सीधा नियंत्रण है। इस लिहाज से हमारा देश भारत उनसे बहुत अधिक ठीक है। आज मीडिया के किसी भी अंग की बात कर लीजिये हर जगह दाव-पेंच का असर है। खबर से ज्यादा आज खबर देने वाले का महत्व हो चला है। पक्षपात होना मीडिया में भी कोई बड़ी बात नहीं है। जो लोग मीडिया से जुड़ते हैं, अधिकांश का उद्देश्य जन जागरूकता फैलाना न होकर अपनी धाक जमाना ही अधिक होता है।

कुछ लोग खुद को स्थापित करने लिए भी मीडिया का रास्ता चुनते हैं। कुछ लोग चंद पत्र-पत्रिकाओं में लिखकर अपने समाज के प्रति अपने दायित्व की इतिश्री कर लेते हैं। छद्म नाम से भी मीडिया में लोगों के आने का प्रचलन बढ़ा है। सत्य को स्वीकारना इतना आसान नहीं होता है और इसीलिए कुछ लोग सत्य उद्घाटित करने वाले से बैर रखते हैं। लेकिन फिर कुछ लोग मीडिया में अपना सबकुछ दांव पर लगाकर भी इस रास्ते को ही चुनते हैं और अफसोस की फिर भी उनकी वह पूछ नहीं होती जिसके की वे हकदार होते हैं। दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के साथ प्रेस को चैथा खंभा माना जाता है। प्रेस इनको जोडने का काम करती है। प्रेस की स्वतंत्रता के कारण ही कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को मजबूती के साथ आम आवाम की भावना को अभिव्यक्त करने का अवसर हासिल हुआ है। कभी कभी प्रेस पर तिल को ताड़ बनाने का आरोप लगाया जाता है हालाँकि यह पूरी तरह सच नहीं है। आजादी के बाद प्रेस पर बहुत जिम्मेदारी आ गई।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत और लालूराज का स्याह अतीत

विक्रम उपाध्याय

साल 1990 में भारतीय राजनीति में दो बड़ी घटनाएं हुईं। विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उस साल सत्ताईस प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के साथ मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की और उसी साल तमाम तिकड़मों के साथ लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री बन गए। यूं तो मंडल आयोग को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए लेकिन बिहार में इसके कारण वर्ग संघर्ष शुरू हुआ। अगड़े-पिछड़े के बीच कभी न खत्म होने वाली नफरत की खाई खोद दी गई। मुख्यमंत्री के नाते लालू प्रसाद यादव ने इसे खत्म करने के बजाय इसको हवा दी और पूरे दस साल जातीय नरसंहार का सिलसिला चलने दिया। उस दौरान राह चलते लोगों की जातियां पूछकर ठुकाई की जाती रही और सत्ता में बैठे लालू इस संघर्ष का राजनीतिक लाभ लेते रहे। चारा घोटाले में नाम आने के बाद लालू प्रसाद यादव को कुर्सी छोड़नी पड़ी और साल 2005 आते-आते बिहार ने लालू परिवार के शासन से जो एक बार तौबा की तो फिर उस तरफ़ नहीं देखा। साल 2025 के ताजा चुनाव परिणाम में राजद के सफाए के पीछे प्रारंभिक कारण सिर्फ और सिर्फ लालू राज के अत्याचार से बचे रहने का फैसला ही है।

राजनीतिक विश्लेषक भले ही जीत-हार के अलग-अलग कारण गिना रहे हों लेकिन नीतीश कुमार के प्रति विश्वास से कोई बड़ा कारण नहीं हो सकता है। उस पर से भाजपा का केंद्र की सत्ता में रहना, सोने पर सुहागे की तरह काम कर रहा है। मोदी और नीतीश ने मिलकर बिहार का ऐसा एकजुट समाज बनाया है, जिसमें सभी वर्ग के लोग सुरक्षित महसूस करते हैं, यहां तक कि मुस्लिम आबादी भी। भले आर्थिक आंकड़ों में यह बिहार किसी शीर्ष राज्य की श्रेणी में नहीं आता है लेकिन चैन से सोने और मनमाफिक काम करने की आजादी की कोई गणना हो तो बिहार पहले पांच राज्यों में जरूर आ सकता है।

नीतीश कुमार ने बीस वर्षों के अपने कार्यकाल में जो सबसे बड़ी मिसाल कायम की है, वह है, तठस्थता के साथ सरकार का संचालन और बिना राग-द्वेष का राजनीतिक व्यवहार। दूसरी तरफ लालू परिवार ने अपने पंद्रह साल के शासन में राज्य को न सिर्फ अशांत क्षेत्र में बदल दिया बल्कि खुद के लिए भ्रष्टाचार का स्वर्ग स्थापित कर लिया। ना तो उन्होंने सामाजिक मर्यादा का ख्याल रखा और ना किसी कानून की परवाह की। सत्ता के अपने सहयोगियों से भी वसूली करने में नहीं हिचके। कांति सिंह और रघुनाथ झा जैसे वरिष्ठ सहयोगियों से भी सांसद, मंत्री बनाने के एवज में जमीन लिखवा ली। कहा तो यह भी गया कि लालू प्रसाद यादव ने बिहार के समर्थ लोगों के खिलाफ अपहरण और फिरौती के कारोबार को अपनी देखरेख में चलवाया। हालात तो यहां तक पहुंच गई थी कि अपराधियों ने लोगों की अवकाश निधि और पेंशन को हड़पने के लिए भी अपहरण का रास्ता अपनाया। क्या उस बिहार की कोई दोबारा कल्पना करना चाहेगा? कभी नहीं। बिहार के लोगों के मन में हमेशा के लिए यह भाव घर कर गया है कि राजद को सत्ता में लाने के लिए वोट करने का मतलब फिर से साल 1990 के बाद के काल खंड में बिहार को पहुंचाना है।

ऐसा नहीं है कि बिहार, नीतीश के शासन काल में कोई आदर्श राज्य बन गया है। ना ही आर्थिक क्षेत्र में कोई बड़ी प्रगति की है। बड़े उद्योग-धंधे भी नहीं लगे। स्थाई रोजगार का भी टोटा है। पर नीतीश कुमार ने बिहार को बिखरने नहीं दिया है। समाज के निचले तबके के जीवन में आसानी पैदा करने की लगातार कोशिश की है। एक से दूसरी जातियों के बीच टकराव पैदा कर राजनीतिक फायदे की कोशिश के बजाय नीतीश के शासन ने सबके लिए अवसर का सृजन किया है। जिस नौकरी का लालच देकर सत्ता परिवर्तन का सपना तेजस्वी यादव देख रहे थे, उसी नौकरी के विकल्प को सफलता पूर्वक नीतीश सरकार लागू करती रही है। निविदा पर ही सही हजारों लोगों को शिक्षक की नौकरी नीतीश ने 20 साल पहले देनी शुरू कर दी थी। अब तो लोग सेवानिवृत हो रहे हैं। वे निविदा के कर्मचारी नीतीश कुमार के लिए साधुवाद का भाव रखते हैं।

लालू के शासन वाले और नीतीश के शासन वाले बिहार में किसी को अंतर देखना है तो बिहार की सड़कों पर निकल जाए। लालू की सरकार के दौरान व्यापारी, अधिकारी, पेशेवर लोग, खास कर के डॉक्टर पलायन के लिए मजबूर किए गए थे। नीतीश के शासन ने ये सब लोग बिना किसी डर के अपना कारोबार और पेशा बढ़ा रहे हैं। कोई ऐसा जिला नहीं होगा, जहां मॉल न खुल गया हो। जहां तनिष्क, टाटा और रिलायंस के शोरूम न हों। किसी भी हाईवे से निकल कर देखिए, नए और बड़े निर्माण होते दिखाई पड़ जाएंगे। किसी चौराहे पर खड़े हो जाइए, महिला पुलिस बहुतायत में दिखाई पड़ जाएंगी। अधिकतर थानेदार, आपको उस जाति वर्ग के मिलेंगे, जिनको राजद अपनी बपौती बताती रहती थी। यह विकास के साथ सामाजिक विश्वास का आगाज है।

नीतीश कुमार और भाजपा के बीच के प्रगाढ़ संबंध की उम्र अब तीस साल से अधिक हो गई है। बीच के दो छोटे-छोटे समयावधि को निकाल दे तो यह संबंध लगातार मजबूती की ओर ही बढ़ता गया है। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने जो नीतीश कुमार के साथ सद्भाव और विश्वास का संबंध स्थापित किया था, उसे लगातार प्रधानमंत्री मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। सामाजिक न्याय के सभी प्रयोगों से लेकर बिहार के आर्थिक विकास के लिए पीएम मोदी ने नीतीश कुमार और बिहार के लिए संसाधनों की कमी नहीं होने दी है। आवास, इलाज और भूख की कमी से निबटने के उपायों में स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अपनी और से पहल करते रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बिहार जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उसे देखकर कोई भी अंदाज लगा सकता है कि अगले दस साल में कनेक्टिविटी के मामले में बिहार किसी भी राज्य को मात दे सकता है। बिहार के लगभग सभी बड़े शहर हवाई मार्ग से जुड़ने जा रहे हैं। एक साथ दस नए एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। बिहार को गरीब राज्य कह कर चिढ़ाने वाले लोग एक बार यह जानकारी जरूर कर लें कि बिहार में कितनी ऐसी कंपनियां काम कर रही है, जिनका प्रबंधन किसी और राज्य से होता है।

एनडीए को 200 सीटें यदि बिहार की जनता ने दी है, तो उसके पीछे सिर्फ महिलाओं को दी गई दस हजार की आर्थिक मदद नहीं है। राजद ने तो अपने घोषणा पत्र में तीन गुना राशि 14 जनवरी को देने का ऐलान कर दिया था। हर परिवार को एक नौकरी देने का प्रस्ताव रख दिया था। बिहार की जनता पैसे पर बिक कर वोट करने नहीं गई थी। इतना भारी जनमत वह मोदी और नीतीश में विश्वास जताने के लिए देने गई थी। बिहार के इस चुनाव परिणाम का विश्लेषण इस डायलॉग के साथ पूरा होना चाहिए कि यह लालू परिवार के डर के आगे एनडीए पर विश्वास की जीत है।

मंदिर जाना सेहत के लिए भी है शुभ, पढ़ें काम की बातें

आमतौर पर मंदिर में जाना धार्मिकता से जोड़ा जाता है। लेकिन मंदिर जाने के कुछ साइंटिफिक हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं। अगर हम रोज मंदिर जाते हैं, तो इससे कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स कंट्रोल की जा सकती हैं। यहां जानिए ऐसे 7 फायदे, जो हमें रोज मंदिर जाने से मिलते हैं। मंदिर के अंदर नंगे पैर जाने से यहां की पॉजीटिव एनर्जी पैरों के जरिए हमारी बॉडी में प्रवेश करती है। नंगे पैर चलने के कारण पैरों में मौजूद प्रेशर प्वॉइंट्स पर दबाव भी पड़ता है जिससे हाई बीपी की प्रॉब्लम कंट्रोल होती है।

एकाग्रता बढ़ाने के लिए- रोज मंदिर जाने और भौहों के बीच माथे पर तिलक लगाने से हमारे ब्रेन के खास हिस्से पर दबाव पड़ता है। इससे कॉन्सेंट्रेशन बढ़ता है।

एनर्जी लेवल बढ़ाने के लिए- रिसर्च कहती है कि जब हम मंदिर का घंटा बजाते हैं, तो 7 सेकंड्स तक हमारे कानों में उसकी आवाज गूंजती है। इस दौरान बॉडी में सुकून पहुंचाने वाले 7 प्वॉइंट्स एक्टिव हो जाते हैं। इससे एनर्जी लेवल बढ़ाने में हेल्प मिलती है।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए- मंदिर में दोनों हाथ जोड़कर पूजा करने से हथेलियों और उंगलियों के उन प्वॉइंटस पर दबाव बढ़ता है, जो बॉडी के कई पार्ट्स से जुड़े होते हैं। इससे बॉडी फंक्शन सुधरते हैं और इम्युनिटी बढ़ती है।

बैक्टीरिया से बचाव के लिए- मंदिर में मौजूद कपूर और हवन का धुआं बैक्टीरिया खत्म करता है। इससे वायरल इंफेक्शन का खतरा टलता है।

स्ट्रेस दूर करने के लिए- मंदिर का शांत माहौल और शंख की आवाज मेंटली रिलेक्स करती है। इससे स्ट्रेस दूर होता है।

डिप्रेशन दूर होता है- रोज मंदिर जाने और भगवान की आरती गाने से ब्रेन फंक्शन सुधरते हैं। इससे डिप्रेशन दूर होता है।

आज का इतिहास

1810 - निगवेल हिदाल्गो ने स्पेन से मैक्सिको की आजादी के लिए संघर्ष शुरू किया।
1821- मैक्सिको की स्वतंत्रता को मान्यता मिली।
1908 - जनरल मोटर्स निगम की स्थापना की गई।
1947 - टोक्यो के सईतामा में चक्रवाती तूफान कैथलीन से 1,930 लोगों की मौत हो गई।
1975 - केप वर्डे, मोजाम्बिक, साओ टोमे और प्रिंसिप संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए।
1995 - भारतीय मूल के वासुदेव पाण्डे त्रिनिदाद एवं टौबेगो के पीएम बने।
1997 - चीन के लोकतंत्र समर्थक नेता जिंग शेंग 18 वर्ष बाद रिहा किये गए।
1998 - कनाडा ने अपना यहाँ नागरिकता क़ानून को सख्त बनाया।
2000 - रूस द्वारा अंतरिक्ष केन्द्र मीर को डुबाने का फैसला।
2001 - अफ़ग़ानिस्तान हेतु संयुक्त राष्ट्र के 21 सदस्यीय दल में भारत शामिल।
2002 - मुशर्रफ़ ने पांच साल के दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ ली।
2006 - पाक ने मध्यम दूरी के गौरी-V मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
2007 - बंगाल की खाड़ी से उठे भीषण चक्रवाती तूफ़ान 'सीडर' ने बांग्ला देश में भीषण तबाही मचाई।
2008- स्टेट बैंक की हेवरा के 58 लाख रुपये की कर्ज़ माफ़ की। चन्द्रयान के लूनर लेजर रेजिंग उपकरण ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू किया।
2013 - वाशिंगटन में एक बंदूकधारी ने नौसेना के एक शिविर में 12 लोगों की गोली मारकर हत्या की।
2013 -मुंबई में सचिन के क्रिकेट से संन्यास लेने के संकल्प के बाद ही भारत सरकार ने भी देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की आधिकारिक घोषणा कर दी। 40 वर्ष की आयु मे इस सम्मान को प्राप्त करने वाले वे सबसे कम उम्र के व्यक्ति और सर्वप्रथम खिलाड़ी हैं। गौरतलब है कि इससे पहले यह सम्मान खेल के क्षेत्र में नहीं दिया जाता था। सचिन को यह सम्मान देने के लिए पहले नियमों में बदलाव किया गया था।
2014 - इस्लामिक स्टेट ने सीरियाई कुर्दिश लड़ाकों के खिलाफ युद्ध छेड़ा।

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

डिजिटल क्रांति ने जिस तेज़ी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सस्ते डेटा ने मनोरंजन को घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुँचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्स-वेब सीरीज़, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शो-हर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं। यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया है-बल्कि तेज़ व्यूज़, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है।

आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान-बूझकर अश्लीलता, फूहड़ हरकतों, भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विस्तार होता है। इसके पीछे केवल एक लक्ष्य है-तेज़ी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफ़ा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है। कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और साहित्य समाज के जीवन-मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी। आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज़ और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही "आधुनिकता" या "यथार्थवाद" हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम है-जिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए।

इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक-टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच, नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज़-तर्रार, उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है। आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज़ देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे-धीरे बदल रही है। जिस चीज़ को वह "मनोरंजन" या "ट्रेंड" समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है। कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेज़-तेज़ दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रस्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है। लेकिन समस्या का एक और पहलू भी है-कंटेंट निर्माता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए 'यूज़र चॉइस', 'एडल्ट टैग' या 'व्यूअर डिस्क्रेशन' जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी।

नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमज़ोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा-निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक "स्वतंत्र माध्यम" है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नज़रअंदाज़ कर देना ही स्वतंत्रता है? समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने स्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है। माता-पिता यह नहीं जानते कि कौन-सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन-सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता-पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विस्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं।

ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज़ पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करें। साथ ही, सरकार को डिजिटल प्लेटफार्मों पर वैसा ही नैतिक नियंत्रण लागू करना होगा जैसा टीवी या फिल्मों पर होता है। पारदर्शी नियम, कठोर दंड और स्पष्ट श्रेणीकरण इस दिशा में आवश्यक कदम हो सकते हैं। समाज का कर्तव्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को डिजिटल साक्षरता दी जानी चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाना चाहिए कि मनोरंजन और उत्तेजना में बहुत अंतर होता है। फूहड़ता से मिली त्वरित प्रसन्नता जीवन के गहरे अनुभवों और रचनात्मक आनंद का विकल्प नहीं हो सकती।

मनोरंजन का उद्देश्य केवल चौंकाना या उत्तेजित करना नहीं है; उसका उद्देश्य मन को संवेदनशील बनाना, सोच को गहराई देना और समाज को बेहतर दिशा देना है। लेकिन जब ऐप्स की दुनिया कला को छोड़कर अश्लीलता की ओर भागने लगे, तब संस्कृति और सभ्यता दोनों संकट में पड़ती हैं।

हमारे सामने आज यही प्रश्न है-क्या हम ऐसी डिजिटल दुनिया चाहते हैं जहाँ मनोरंजन का आधार रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक ज़िम्मेदारी हो? या हम ऐसे युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जहाँ उत्तेजना ही कला बन जाएगी और सनसनी ही मनोरंजन?

समय की मांग है कि हम स्पष्ट रूप से कहें: हमें मनोरंजन चाहिए-लेकिन ऐसा नहीं जो समाज को खोखला कर दे। अगर डिजिटल दुनिया इस दिशा में नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे सांस्कृतिक अंधकार में प्रवेश करेंगी, जहाँ मनोरंजन तो बहुत होगा, पर उसका कोई अर्थ नहीं बचेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सभापति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सांसदगण, पूर्व सांसद तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शनिवार को संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती-जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पूर्व में राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर एक संदेश में लिखा कि सभी को झारखंड राज्य की स्थापना की रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान बिरसा मुंडा की इस धरती के प्रतिभाशाली और कर्मठ लोगों ने राज्य का और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध यह राज्य देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है। यहां के जनजातीय समुदाय की समृद्ध लोक-कलाओं की देश-विदेश में प्रतिष्ठा है। यहां के शूरवीरों ने भारत माता की सेवा के अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मेरी मंगलकामना है कि झारखंड प्रगति-पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा राज्य के सभी निवासियों का भविष्य उज्ज्वल हो।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर एक संदेश में लिखा कि महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी, 'धरती आबा' बिरसा मुंडा को आज उनकी जयंती पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा 25 साल की अल्प अवधि के लिए जीवित रहे, लेकिन उन्होंने देशभक्ति की ऐसी आग जलाई जो आने वाली पीढ़ियों तक, यहां तक कि अगले 2,500 वर्षों तक भी जलती रहेगी। यह कहना उचित होगा कि आदमी आ सकते हैं, आदमी जा सकते हैं, लेकिन 'धरती आबा' और अन्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत हमेशा जारी रहेगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर संदेश में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय सेनानी, आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान के अमर प्रतीक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि और देशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। सीमित संसाधनों में रहते हुए भी उन्होंने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए जो साहसिक संघर्ष छेड़ा, वह विदेशी शासन के विरुद्ध एक प्रज्वलित क्रांति बनकर उभरा और पूरे देश में स्वतंत्रता की चेतना का विस्तार हुआ।

शोषितों, वंचितों और आदिवासी समाज की आवाज बने बिरसा मुंडा जी ने अपने संकल्प, त्याग और अद्भुत नेतृत्व से असंख्य युवाओं में राष्ट्रीयता, आत्मगौरव और न्याय की लौ प्रज्वलित की। उनका जीवन राष्ट्र की सामूहिक स्मृति में सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा, हमें कर्तव्यनिष्ठा, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक गरिमा की ओर सतत अग्रसर होने का मार्ग दिखाता रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित, जनजातीय उत्थान व स्वाभिमान के लिए उनका अद्वितीय संघर्ष हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। भगवान बिरसा मुंडा, जिन्होंने उलगुलान (क्रांति) के माध्यम से ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष किया, प्रतिरोध और स्वतंत्रता की प्रतीक बन गए। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने राष्ट्रीय जागरूकता को जागृत किया। उनकी विरासत आज भी भारत के जनजातीय समुदायों द्वारा श्रद्धा और गर्व के साथ याद की जाती है।

वर्ष 2021 से, 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है, ताकि जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को सम्मानित किया जा सके। जनजातीय समुदायों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उन्होंने अनेक क्रांतिकारी आंदोलनों के माध्यम से अपना योगदान दिया। यह दिन उनके समृद्ध इतिहास, संस्कृति और धरोहर का उत्सव है। इसके जरिए देशभर में उनके योगदान को एकजुटता, गर्व और सम्मान प्रदान करने का प्रयास किया जाता है।

कोलकाता के बड़ा बाजार में भीषण आग, कई दुकानें राख

कोलकाता। राजधानी कोलकाता के बड़ा बाजार मार्केट में शनिवार सुबह भीषण आग लगी है। यहां एजरा स्ट्रीट स्थित इलेक्ट्रिक सामान की दुकान में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में अफरातफरी मचा दी।

आग इतनी तीव्र थी कि देखते ही देखते पास की इमारतों और अन्य दुकानों व गोदामों तक फैल गई। दमकल विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना शनिवार तड़के लगभग पांच बजे मिली। शुरुआत में आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां पहुंची लेकिन आग की भयावहता देखते हुए बाद में इसकी संख्या बढ़ाकर 21 कर दी गई। मौके पर मौजूद दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, हालांकि घनी आबादी और ज्वलनशील सामानों की अधिकता की वजह से नियंत्रित करने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

धुएं के घने गुबार से पूरा इलाका ढंक गया है। सुरक्षा के तहत आसपास की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई है। स्थानीय व्यवसायियों का कहना है कि आग से भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है क्योंकि क्षेत्र की कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी हैं। घटनास्थल पर कोलकाता पुलिस के डीसी सेंट्रल भी पहुंचे और दमकल अधिकारियों के साथ हालात का जायजा लिया। दमकल मंत्री सुजित बोस ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। जांच जारी है।

झारखंडः धुर्वा डैम में जा गिरी अनियंत्रित गाड़ी

जिला जज के 2 बॉडीगार्ड समेत 3 पुलिसकर्मियों की मौत, शव बरामद

रांची। झारखंड के राजधानी रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में शनिवार सुबह तीन पुलिसकर्मियों का शव बरामद हुआ है। मृतकों की पहचान प्रिंसिपल जिला जज जमशेदपुर के दो बॉडीगार्ड और सरकारी ड्राइवर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दो बॉडीगार्ड और ड्राइवर शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम से होकर गुजर रहे थे, इसी दौरान उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और धुर्वा डैम में जा गिरा। हादसे में तीनों की मौत हो गई। मृतकों में उपेंद्र कुमार सिंह, रोबिन कुजूर और सतेंद्र सिंह शामिल हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम के पास से एक वाहन गुजर रहा था, अचानक वह वाहन तेजी के साथ धुर्वा डैम में जा गिरा। सूचना मिलने पर धुर्वा और नगड़ी पुलिस मौके पर पहुंची। 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों, गोताखोरों और पुलिस की मदद से कार को डैम से बाहर निकाला गया जिसमें से तीन शव और दो पुलिस हथियार बरामद किए गए। हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि वाहन अनियंत्रित होने की वजह से धुर्वा डैम में जा गिरा, जिसकी वजह से तीन पुलिसकर्मियों की मौत हुई है।

राहत और बचाव कार्य के बाद बॉडीगार्ड के शव और उनके हथियार डैम से खोज कर निकाल लिए गए हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार तीनों पुलिसकर्मी स्विफ्ट कार से धुर्वा स्थित ज्यूडिशल एकेडमी से धुर्वा डैम की तरफ निकले थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

धुर्वा डैम से निकाले गए वाहन की भी जांच की जा रही है।

जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए : गजेन्द्र सिंह शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री बोले, बिहार में झूठे नैरेटिव की राजनीति को जनता ने नकारा

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि झूठे नैरेटिव गढ़कर, वोट चोरी जैसे अर्थहीन, आधारहीन आक्षेप और संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर अनेक तरह के भ्रमजाल फैलाने का प्रयास करके वोट प्राप्त करने की कोशिश को अब जनता स्वीकार नहीं करेगी। बिहार चुनाव ने इस एक बात को बहुत अच्छी तरीके से इस देश के सामने स्पष्ट कर दिया है।

शनिवार को अपने गृह जनपद पहुंचे शेखावत ने मीडिया से बातचीत में बिहार चुनाव के नतीजों पर कहा कि भाजपा और एनडीए गठबंधन के सभी घटक दलों ने जिस तरह से एकजुटता का परिचय देते हुए अपनी सामूहिक संगठनात्मक शक्ति का परस्पर उपयोग करके चुनाव लड़ा। उसके साथ-साथ बिहार के चुनाव में जो मुख्य मुद्दा जंगल राज बनाम विकासवाद का था, इन दोनों के बीच जनता को चुनाव करना था। जनता ने प्रचंड बहुमत एनडीए को देकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इस देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल और केवल विकास-आधारित ही रहेगा। शेखावत ने कहा कि सामान्यतः देश में अनेक ऐसे उदाहरण देखने को मिल सकते हैं, जब देश की जनता ने परिवर्तन के लिए घर से बाहर निकलकर औसत से अधिक मतदान किया हो, लेकिन इस बार पहली बार देश की जनता ने नकारात्मक राजनीति करने वाले और झूठ की राजनीति करने वाले लोगों को जवाब देने के लिए, औसत से कहीं अधिक मतदान करके, प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन की सरकार बनाकर, यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अब देश में झूठ की राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं बचा है।

विपक्ष को लेकर शेखावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और आरजेडी के नेताओं ने जिस तरह से हल्के स्तर पर चुनाव को ले जाने का प्रयास किया था, जिस तरह की हल्की टिप्पणियां की गई थीं। प्रधानमंत्री की माताजी से लेकर छठ मैया तक किसी को भी उन्होंने नहीं बख्शा था। बिहार की जनता ने उसका स्पष्ट जवाब उनके मुंह पर एक करारा तमाचा मारकर दिया है। कांग्रेस का नाम लिए बगैर शेखावत ने कहा कि जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए। यह स्पष्ट हो गया है कि अब देश में केवल और केवल विकास की राजनीति व विकास के एजेंडा को ही देश की जनता स्वीकार करने वाली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनडीए ने सभी उम्र के लोगों को जहां कहीं भी मौका दिया, आप स्ट्राइक रेट को देखिए।

भाजपा, जदयू, एलजेपी और जीतन राम मांझी की पार्टी हम, सभी की स्ट्राइक रेट लगभग 80 से 90 प्रतिशत रही है। सभी घटक दलों ने एक-दूसरे को समर्थन करते हुए, एक साथ मिलकर, एक सामूहिक शक्ति किस तरह से चुनाव लड़ सकती है, इसका एक नया उदाहरण इसके माध्यम से प्रस्तुत किया है। कश्मीर के एक थाने में विस्फोट की घटना पर शेखावत ने कहा कि अभी उसके पूरे पुख्ता समाचार नहीं आए हैं। मैं इतना कहूंगा कि दिल्ली हादसे से पहले से जब जानकारी आई थी, तब से लेकर सारी एजेंसियां सतर्कता के साथ काम कर रही थीं। निश्चित रूप से हादसा दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन हादसे से पहले जिस तरह की रिकवरी हुई है, 2900 किलो विस्फोटक बरामद हुआ है। यह जानकर दिल दहल जाता है कि अगर वे अपने मंसूबों में कामयाब हो जाते तो उसका कितना बड़ा नुकसान हो सकता था।

यह सरकार का संकल्प है कि आतंकवाद के प्रति हमारा जीरो टॉलरेंस है। इस घटना के लिए दोषी, इसे अंजाम देने वाले और इस मानसिकता को पनपाने वाले किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह देश में हो या देश के बाहर कहीं भी, हम उसे निस्तनाबूत करके ही छोड़ेंगे। राजस्थान के अंता उपचुनाव में भाजपा की हार के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपचुनाव कई विषयों से जुड़े होते हैं और उपचुनाव को किसी आम चुनाव के बराबर करके नहीं देखा जा सकता। अंता विधानसभा को आज से लेकर जब से चुनाव प्रारंभ है, तब से लेकर आज तक देखा जाए तो वैसे भी केवल दो बार को छोड़कर अधिकांश समय यह विधानसभा भाजपा के खाते में नहीं आ पाई। जो कुछ भी कारण रहे, जो कुछ भी विषय रहे, निश्चित रूप से यह आत्मवलोकन का विषय है।

कर्नाटक में सड़क दुर्घटना में तीन तीर्थयात्रियों की मौत

मंगलुरु। कर्नाटक में मंगलुरु-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार तड़के एक कार के बीसी रोड सर्कल के पास दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान - रम्या (23), रवि (64) और नंजम्मा (75) के रूप में हुई है।

सभी बेंगलुरु के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, कार में सवार लोगों का यह समूह बेंगलुरु के पीन्या से उडुपी श्री कृष्ण मठ में तीर्थयात्रा के लिए जा रहा था, तभी यह दुर्घटना घटी। प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि कार बीसी रोड सर्कल पर दुर्घटनाग्रस्त हुई, जिसमें वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रवि की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायलों - कीर्ति, सुशीला, बिंदु और प्रशांत को मंगलुरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीसी रोड-अड्डाहोल राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के तहत बनाया गया नवनिर्मित यातायात सर्कल अवैज्ञानिक है और हाल के महीनों में कई दुर्घटनाओं का कारण रहा है। बंतवाल यातायात पुलिस ने इस दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

आदिवासी नायकों के इतिहास को पहले जानबूझकर नजरअंदाज किया गया: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

नागपुर। पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकारों पर निशाना साधते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों की भूमिका को इतिहास की किताबों में जानबूझकर नजरअंदाज किया गया।

आदिवासी अधिकार नेता और स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समुदाय के जल, जमीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। फडणवीस ने आदिवासी सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद कहा, ₹हमारे स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले आदिवासी नायकों को जानबूझकर इतिहास से दूर रखा गया ताकि आम लोग उनके बारे में न जान सकें।₹ उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समुदाय के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं और वन भूमि के पट्टे (स्वामित्व अधिकार) आवंटित कर रही है।

उन्होंने अन्य कल्याणकारी पहलों के अलावा आदिवासी आश्रम शालाओं के शुभारंभ और आदिवासी छात्रावासों का नेटवर्क बना रहे हैं और राज्य तथा केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रहे हैं।

उन्होंने राज्य जनजातीय विकास विभाग द्वारा शुरू की गई आश्रम शाला डिजिटलीकरण और जनजातीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा योजनाओं की सराहना की। फडणवीस ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदाय के अपार योगदान पर प्रकाश डाला था। हालांकि, हमारे आदिवासी नायकों को जानबूझकर इतिहास से दूर रखा गया। प्रधानमंत्री ने देश भर में ऐसे नायकों की पहचान करने और किताबें लिखकर उनके इतिहास को उजागर करने, उनकी मूर्तियां और स्मारक बनाने का आह्वान किया है।

बीजापुर के पूतकेल गांव में अज्ञात हमलावरों ने की एक बुजुर्ग की हत्या

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र अंर्तगत पूतकेल गांव में एक बुजुर्ग धर्मा सोयम की टंगिए से मारकर हत्या कर दी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 14 नवंबर की रात रात करीब 9:30 बजे तीन अज्ञात हमलावरों ने मुंह पर कपड़ा बांधकर वारदात को अंजाम दिया है। इस दैरान धर्मा सोयम अपने घर पर सो रहा था, अज्ञात हमलावर चाकू और टंगिए के साथ घर में घुस गए। हमलावरों ने धर्मा सोयम पर टंगिए से कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरी घटना धर्मा सोयम की पत्नी के सामने हुई। इस हत्याकांड के पीछे नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम का हाथ होने का संदेह जताया जा रहा है। पुलिस फिलहाल अज्ञात हमलावरों और नक्सली संलिप्तता, दोनों पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। विदित हो कि इसी इलाके के नेला कांकेर में पिछले महीने नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप में दो ग्रामीणों की हत्या कर दी थी।

पुलिस को आज शनिवार को हत्याकांड की सूचना मिलते ही बासागुड़ा थाना प्रभारी दीपक साहू पूतकेल गांव स्थित घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी संकलित करते हुए मामले की जांच कर रही है।

पंजाब की सरबजीत कौर पाकिस्तान में बनी नूर हुसैन

धर्म परिवर्तन कर किया निकाह, सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर आया परिवार

चंडीगढ़। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के माध्यम से पाकिस्तान में धार्मिक यात्रा पर गए जत्थे में शामिल कपूरथला की महिला सरबजीत कौर पाकिस्तान में जाकर नूर हुसैन बन गई है। महिला ने धर्म परिवर्तन करके निकाह कर लिया है। इससे पहले भी एक महिला व पुरुष पाकिस्तान में जाकर निकाह कर चुके हैं।

एसजीपीसी के माध्यम से हर साल गुरुपर्व तथा वैसाखी के अवसर पर भारतीय श्रद्धालुओं को पाकिस्तान स्थित गुरुधामों की यात्रा के लिए भेजा जाता है। बीती 4 नवंबर को अमृतसर स्थित अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते 1932 श्रद्धालुओं का एक जत्था पाकिस्तान में गुरुधामों की यात्रा पर गया था। यह जत्था दस दिनों की यात्रा पर गया था। आठ सदस्य निजी कार्यों के समय से पहले ही लौट आए थे। इस यात्रा के दौरान एक सदस्य की मौत हो गई थी। गुरुवार शाम अटारी बार्डर के रास्ते 1922 श्रद्धालु वापस लौटे। इस जत्थे में कपूरथला जिला की रहने वाली सरबजीत कौर शामिल नहीं थी।

पाकिस्तान में लापता हुई महिला सरबजीत कौर कपूरथला जिले के गांव अमानीपुर, दक्का खाना टिब्बा की रहने वाली हैं। शुक्रवार को पूरा दिन जांच एजंसियों ने जहां पाकिस्तान में अपने समकक्षों से बात की, वहीं पंजाब में महिला के परिवार से भी पूछताछ की। शुक्रवार को देर महिला का निकाहनामा भारतीय एजंसियों को मिल गया। जिसके अनुसार सरबजीत कौर ने 4 नवंबर को पाकिस्तान पहुंच कर अपने फेसबुक फ्रैंड नासिर हुसैन से मिली। नासिर ननकाना साहिब जिला के गाँव पिंडी शेखुपुरा का रहने वाला है। इसके बाद दोनों ने निकाह किया और फरार हो गए। पाकिस्तानी पंजाब की पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापे मार रही है। अटारी बार्डर सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान द्वारा महिला को गिरफ्तार करके भारत को सौंपने की बात कही गई है। महिला ने भले ही पाकिस्तान में जाकर शादी कर ली हो लेकिन पंजाब में उसका परिवार सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर आ गया है। इस बीच एसजीपीसी के महासचिव प्रताप सिंह ने कहा कि कमेटी सिर्फ सूची भेजती है, उसकी वेरीफिकेशन केंद्र द्वारा की जाती है। कई श्रद्धालुओ के दस्तावेजों में खामी के चलते उन्हें वीजा नहीं दिया गया।

राजस्थानः अस्पताल में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ जिले की पुलिस ने अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसर की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार यह गिरोह बेरोजगारों से नौकरी दिलाने का झांसा देकर 50 हजार से लेकर दो लाख रुपये तक ऐंठ रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने गिरोह के दो मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया है। कुमार ने बताया कि कोतवाली थाने में दर्ज एक शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। शिकायतकर्ता ने बताया कि दो लोगों ने उसे और उसके तीन साथियों को फर्जी दस्तावेज दिखाकर नौकरी का भरोसा दिलाया और कुल आठ लाख रुपये ठग लिए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर मुख्य आरोपी सद्दाम हुसैन उर्फ सन्नी पठान को पकड़ लिया और उससे एक महंगी कार बरामद की गई।

इसके साथ ही एसआरजी अस्पताल में 'रक्षक प्लेसमेंट एजेंसी' के संचालक राजेश मिश्रा को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जांच में पता चला कि मिश्रा बेरोजगारों के मोबाइल नंबर सद्दाम पठान को उपलब्ध कराता था। सद्दाम लोगों को विश्वास में लेकर उनसे अग्रिम रकम और दस्तावेज लेता था। इसके बाद मिश्रा के कहने पर सद्दाम फर्जी सील और हस्ताक्षर का उपयोग करके नियुक्ति पत्र जारी करता था। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को भरोसा दिलाने के लिए वे फर्जी हाजिरी रजिस्टर में उनका नाम दर्ज करते थे, हाजिरी की तस्वीरें भेजते थे और एक महीने का वेतन भी बैंक खातों में भेजते थे।

स्वाधीनता आंदोलन और आदिवासियों के उत्थान के लिए हमेशा याद किए जाएंगे भगवान बिरसा मुंडा: सीएम योगी

सोनभद्र। भगवान बिरसा मुंडा ने कहा था "अबुआ दिशुम , अबुआ राज" यानी अपना देश अपना राज यह नारा था भगवान बिरसा मुंडा का जो उन्होंने अंग्रेजों से लड़ने के लिए आंदोलन के दौरान दिया था। ऐसा कहना था उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ का जो जनपद के चोपन स्थित रेलवे के खेल मैदान में आयोजित "धरती आबा (धरती के पिता) भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित गौरव दिवस समारोह में एक आम सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों द्वारा राँची जेल में दी गई यातना के कारण भगवान बिरसा मुंडा की मात्र 25 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई।

योगी ने कहा कि मृत्यु होने के बाद भी उनका संघर्ष काम आया और ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा तथा जो माँग उन्होंने जनजातीय समुदाय के अधिकारों के लिए अंग्रेजों से की थी, वह अधिकार देने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की देन है कि हमारा जनजातीय समाज तेजी से विकास की और अग्रसर होने के साथ ही देश के विकास में भी योगदान दे रहा है। योगी ने कहा कि 125 वर्ष पूर्व संसाधनों के तमाम अभावों के बावजूद जनजाति समाज देश की मुख्य धारा से जुड़ कर भारत की स्वाधीनता के लिए आंदोलन कर रहा था । उन्होंने कहा कि जनजाति समाज को सम्मान दिलाने का काम डबल इंजन की एन डी ए और भाजपा की सरकार ने किया है। प्रधानमंत्री मोदी के कारण हम सबको इस जनजाति गौरव दिवस में जुड़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव पखवारा के अंतर्गत 15 दिनों से विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं।

जनजाति समाज ने अपने पुराने वाद्य यंत्रों से लोक कला को जीवंत बना कर रखा हुआ है । सीएम ने कहा कि जिस प्रकार बलरामपुर जनपद में जनजातीय म्यूजियम की स्थापना हम लोगों द्वारा की गई है उसी प्रकार विंध्याचल मंडल में भी एक म्यूजियम बनाया जाएगा। उन्होंने सोनभद्र में स्थित सलखन जीवाश्म पार्क , शिवद्वार स्थित शिव पार्वती मन्दिर सहित अन्य पर्यटन स्थलों की भी चर्चा की । योगी ने कहा कि प्रदेश में कुल 15 जनजातियों में से 14 अकेले सोनभद्र जनपद में निवास करती हैं साथ ही देश में एक जनपद में सर्वाधिक जनजातियाँ चार लाख से अधिक सोनभद्र में निवास करती हैं । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पी एम जनमन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 517 जनजाति बाहुल्य ग्रामों में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना प्रारम्भ किया है जिसके अंतर्गत उन ग्रामों में बुनियादी सुविधाओं के साथ ही सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जनजाति समाज का शोषण करती थीं। हमारी सरकार ने वनाधिकार कानून में संशोधन करते हुए अभी तक 23,000 से अधिक भूमि के पट्टे वितरित किए जा चुके हैं। आज भी 1000 से अधिक पट्टे वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से जनजाति समुदाय के बच्चों को कोचिंग दिए जाने के बाद एम बी बी एस और आई आई टी में दर्जनों बच्चों को प्रवेश मिला है । इनके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जनजाति समाज के लिए चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने जनपद में 548 करोड़ की 432 योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जनजाति समाज के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को स्मृति चिन्ह देने के साथ ही जनजाति समाज के लोगों को भूमि का पट्टा तथा आवास आदि वितरित किया।

अवैध विंकरेक्स सीरप के साथ एक आरोपित गिरफ्तार

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में नशे के अवैध कारोबार पर लगाम कसते हुए ड्रमण्डगंज थाना पुलिस ने शनिवार को एक तस्कर को अवैध सीरप के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन और क्षेत्राधिकारी लालगंज के निर्देशन में उपनिरीक्षक मनसुख यादव की टीम ने मुखबिर की सूचना पर सेवटी नदी पुल के पास से अंकित पटेल पुत्र वंश गोपाल निवासी देव हिरन, थाना नईगढ़ी, जनपद मऊगंज (मध्य प्रदेश) को पकड़ा है। पुलिस ने उसके कब्जे से फोर्ड चारपहिया वाहन (नंबर एचआर 19 एफ 8338) में छिपाकर ले जाई जा रही अवैध विंकरेक्स सीरप की 84 शीशियां बरामद की हैं । उपनिरीक्षक मनसुख यादव के अनुसार बरामद सीरप प्रतिबंधित श्रेणी में आता है, जिसका अवैध परिवहन और बिक्री नशे की लत को बढ़ावा देता है। पुलिस टीम द्वारा मौके पर ही वाहन को कब्जे में लेकर आरोपित को गिरफ्तार करते हुए थाना ड्रमण्डगंज पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय/जेल भेज दिया गया है।

कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत

लखीमपुर खीरी। जिले के भीरा थाना क्षेत्र के भानपुर गांव के निकट भीरा-बिजुआ राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार ने एक मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात यह हादसा हुआ तथा मृतकों की पहचान रोहित (33), हसीब (30) और संदीप शुक्ला (28) के रूप में हुई है। वे सभी लखीमपुर खीरी जिले के निवासी हैं। दुर्घटना के बाद कार में सवार लोग अपने क्षतिग्रस्त वाहन को मौके पर छोड़कर भाग गए। भीरा थाने के प्रभारी जीएन सिंह ने बताया कि भानपुर के पास एक कार ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। थाना प्रभारी ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार रोहित और हसीब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संदीप ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राजनीति के 3 खिलाड़ी राहुल, अखिलेश और तेजस्वी लगातार हारने का रिकॉर्ड बना रहे हैं : दिनेश शर्मा

कानपुर, 15 नवम्बर (हि.स.)। बिहार की जनता ने भाजपा और उसके सहयोगी दल एनडीए को दिल खोलकर वोट दिया हैऔर उन्हें अभूतपूर्व विजय दिलाई है। राजनीति के तीन खिलाड़ी राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव लगातार हारने का रिकॉर्ड बना रहे हैं। खेल की भाषा में कहें तो यह आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं और ऐसा उनके साथ जिंदगी भर चलता रहेगा क्योंकि उन्होंने जातिवाद और संप्रदायवाद के दम पर चुनाव लड़ा है। यह बातें शनिवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कही।

आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी धार्मिक सुधारक और मुंडा समुदाय के नेता बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा कानपुर पहुंचे। जहां उन्होंने प्रेस से वार्ता करते हुए बिहार में भाजपा की जीत के लिए बिहार की जनता को बधाई दी। तो वहीं विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बिहार की जीत विपक्षी दलों और उत्तर प्रदेश, बंगाल और तमिलनाडु के लिए सबक है। आने वाले समय में बिहार की फतेह पश्चिम बंगाल की तरफ बढ़ रही है। बीजेपी की विजय यात्रा है जो बिहार के बाद बंगाल और तमिलनाडु में जरूर निकलेगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में भी भ्रष्टाचार और महिलाओं के साथ अपराध अपने चरम पर है। 2027 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की बिहार से बड़ी जीत होगी और पश्चिम बंगाल हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। राहुल गांधी एक ऐसे प्रतापी मनुष्य हैं कि वे जिसके साथ जाएंगे, वह भस्म हो जाएगा। बिहार में निष्पक्ष चुनाव हुए हैं। इस बात की गारंटी खुद राहुल गांधी के एजेंटों ने दी है लेकिन कुछ दिन बाद विपक्ष वोटिंग और फिर मतगणना को लेकर सवाल उठाएगा।

क्योंकि उनके पास अब कोई और मुद्दा नहीं बचा है। विपक्ष ने लगातार जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास किया है फिर चाहे वह कोरोना वैक्सीन की बात हो या देश पर पड़ी किसी बड़ी आपदा के बीच सवाल-जवाब करना हो। हालांकि उन्हें हर जगह से जनता मुंह तोड़ जवाब दे रही है। आने वाले समय में भी उन्हें इसी तरह से जवाब मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजाति, अनुसूचित और आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए तमाम नई योजनाओं का संचालन किया है। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सेवा समूह वनवासी कल्याण आश्रम ने प्रशंसनीय कार्य किए हैं।

'हर घर स्वदेशी-घर-घर स्वदेशी' का मंत्री सतीश शर्मा ने दिया संदेश

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी अमेठी द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत प्रोफेशनल सम्मेलन का भव्य आयोजन शनिवार को जगदीशपुर स्थित सीटेट कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री सतीश शर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रोफेशनल वर्ग, भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने स्वागत भाषण में कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनशक्ति और जनभागीदारी का राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने कहा कि अमेठी के युवाओं, उद्यमियों और तकनीकी विशेषज्ञों में अपार संभावनाएं हैं, जो स्थानीय अवसरों के साथ मिलकर जनपद को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगी। उन्होंने मंत्री सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में अमेठी में उद्योग, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्रों में हो रही प्रगति का उल्लेख किया।

अपने विस्तृत उद्बोधन में प्रभारी मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत "भारत की आत्मा का जागरण" है। उन्होंने कहा कि कौशल, नवाचार और स्वदेशी उत्पादन भारत को आर्थिक रूप से मजबूत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राष्ट्र बनाएंगे। उन्होंने 'हर घर स्वदेशी-घर-घर स्वदेशी' का आह्वान करते हुए कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल खरीदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण में सीधी भागीदारी है। स्थानीय किसान, कारीगर, उद्योग और स्टार्ट-अप को प्राथमिकता देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार बढ़ेगा।

मंत्री ने कहा कि जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र भविष्य में प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक हब बनने जा रहा है। "अमेठी की मिट्टी में उद्योगों की गर्मी ही नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं की तपिश भी मौजूद है।

देश की सीमा पर रक्षा करने वाले किसान के बेटे को अग्निवीर बनाकर अन्याय किया : संजय सिंह

सुलतानपुर। जिला मे आम आदमी पार्टी की 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो यात्रा' शनिवार को अयोध्या से सुलतानपुर के कूरेभार पहुंची। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कूरेभार चौराहे पर लोगों को संबोधित किया। उन्होने कहा कि किसान का बेटा देश की सीमा पर रक्षा करता है लेकिन उसे 'अग्निवीर' बनाकर उसके साथ अन्याय किया जा रहा है।

संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इसी समस्या के खिलाफ यह यात्रा निकाली गई है। सिंह ने रोजगार, सामाजिक न्याय, बेहतर स्कूल, अस्पताल, मुफ्त बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग की। उन्होंने युवाओं की परीक्षा के पेपर लीक होने की घटनाओं पर भी सवाल उठाए। यह पदयात्रा 12 नवंबर को अयोध्या से शुरू हुई थी और प्रयागराज में समाप्त होगी। संजय सिंह इस यात्रा के दौरान जगह-जगह रुककर लोगों को जागरूक कर रहे हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं।

बरेली जंक्शन पर पार्सल मालगाड़ी में लगी भीषण आग, लोको पायलट की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

बरेली। शनिवार सुबह बरेली जंक्शन रेलवे यार्ड में उस समय हड़कंप मच गया, जब किशनगंज-दिल्ली से झारखंड के अजारा जा रही पार्सल मालगाड़ी के एक डिब्बे में अचानक आग भड़क उठी। घटना सुबह करीब 8:30 बजे की है। जंक्शन में पहुंचने से ठीक पहले लोको पायलट ने एक पार्सल बोगी से घना धुआं निकलता देखा और बिना समय गंवाए कंट्रोल रूम को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही रेलवे अफसर मौके पर पहुंच गए और फायर ब्रिगेड को भी तुरंत बुला लिया गया।

मालगाड़ी के प्लेटफॉर्म पर आते ही धधक रहे डिब्बे को ट्रेन से अलग कर दिया गया। रेलवे कर्मचारियों ने एहतियातन आसपास का इलाका खाली कराया। धुआं फैलते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग सुरक्षित जगह की ओर भागने लगे। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां थोड़े ही समय में मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया। डिब्बे में भरा पार्सल सामान भी आग की चपेट में आ गया था, जिससे धुआं लगातार उठता रहा।

दमकल कर्मियों ने दोनों ओर से पानी डालकर आग पर काबू पाया। एहतियातन आसपास खड़ी अन्य ट्रेनों को भी हटाया गया। आग लगने की वजह साफ नहीं हो सकी है। शुरुआती अनुमान शॉर्ट सर्किट का है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल आदित्य गुप्ता ने बताया कि लोको पायलट की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। मामले की जांच जारी है।

पत्नी की हत्या कर पति ने फांसी लगाई

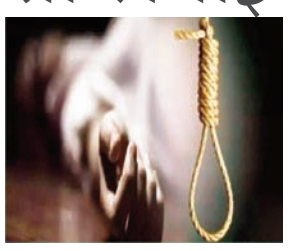

रायबरेली। जिले के खीरो थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी और फिर खुद भी फांसी लगा ली। पुलिस के मुताबिक, सुरजा निहस्था गांव निवासी भीमराज उर्फ भीखू (32) और उसकी पत्नी सोनी देवी (28) शुक्रवार को अपने घर के भीतर मृत पाए गए। उसने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिया भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में पता चला है कि सोनी अपने मायके में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद 14 नवंबर को ससुराल लौटी थी, लेकिन वह अपने तीनों बच्चों-शिवम (9), शुभी (7) और शिवांश (4) को उनके नाना के घर ही छोड़ आई थी। पुलिस के मुताबिक, जांच में पाया गया है कि सोनी के मायके से लौटने के बाद भीमराज ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंदकर धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी और फिर खुद भी फांसी लगा ली।

पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल धारदार हथियशर बरामद कर लिया गया है। उसने कहा कि वारदात के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है और मामले की जांच जारी है।

राम मंदिर ध्वजारोहण कार्यक्रम: 25 नवंबर को नहीं हो सकेंगे रामलला के दर्शन, घर से देख सकेंगे लाइव

अयोध्या। अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले श्री राम जन्मभूमि के ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोशल मीडिया पर विशेष अपील की है। उन्होंने शनिवार को राम मंदिर के ताजा चित्र जारी कर समारोह के विषय में दिए अपने संदेश में श्रद्धालुओं को मंदिर में दर्शन न होने की बात कही है। इससे पूर्व भी उन्होंने इस सन्दर्भ में शुक्रवार की रात वीडियो संदेश जारी किया था।

चंपत राय ने सोशल मीडिया पर अपनी अपील में लिखा कि हम हाथ जोड़ कर निवेदन करते हैं कि 25 नवंबर को दर्शनार्थियों को मंदिर में दर्शन नहीं कराये जा सकेंगे। 24 नवंबर की रात के बाद ही दर्शन बंद हो जाएंगे। हालांकि ये आयोजन (ध्वजारोहण) सभी देशवासियों और संसार भर के लोग अपने-अपने घर में बैठ कर देख सकेंगे। अयोध्या नगर में जगह-जगह विकास प्राधिकरण की ओर से सड़कों पर बड़े-बड़े पर्दे लगाये गये हैं, उन पर्दों पर ये आयोजन दिखाया जाएगा। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ट्रस्ट की ओर से शहर में कुछ स्थानों पर स्क्रीन लगाई जायेगी, जिन पर भी आयोजन देखा जा सकेगा। संसार के लोग इस आयोजन को किसी भी चैनल पर देख सकते हैं। दूरदर्शन, सभी चैनलों को सीधे-सीधे पूरा कार्यक्रम प्रेषित कराएगा। आप से इतना निवेदन है कि अपने घरों पर बैठकर इस कार्यक्रम का आनंद लें, ये राष्ट्रीय गौरव का एक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का मतलब है कि अब मंदिर के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। उल्लेखनीय है कि इस भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत देश की कई प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी।

जंगली जानवर के हमले में व्यक्ति की मौत

लखीमपुर खीरी। दुधवा बफर जोन के संपूर्णानगर वन रेंज में 65 वर्षीय एक व्यक्ति की किसी जंगली जानवर के हमले में मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब व्यक्ति अपने घर से कुछ ही दूरी पर खेतों में शौच के लिए गया था। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी।

अधिकारियों के अनुसार, मृतक की पहचान संपूर्णानगर थाना क्षेत्र के संपूर्णानगर कस्बे की वृंदावन कॉलोनी निवासी चंद्रिका प्रसाद (65) के रूप में हुई है। प्रसाद के परिजनों ने बताया कि शुक्रवार देर रात जब वह शौच से वापस नहीं लौटे, तो उन्होंने पास के खेतों में उनकी तलाश की, जहां एक गन्ने के खेत में उनकी चप्पलें मिलीं। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान, उन्हें एक गन्ने के खेत से प्रसाद का क्षत विक्षत शव मिला। परिजनों ने दावा किया कि प्रसाद पर हमला एक बाघ ने किया और जो बाद में लोगों की भीड़ के डर कर पास के जंगल में भाग गया। दुधवा बफर जोन की उप निदेशक कीर्ति चौधरी ने मौत होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर मिले पैरों के निशानों की जांच के बाद यह पता लगाया जा सकेगा कि यह बाघ था या तेंदुआ। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह घटना बृहस्पतिवार रात दुधवा बफर जोन में खुशीपुर पटिहान गांव की 10 वर्षीय बच्ची टिंकल की एक तेंदुए के हमले में मौत के बाद हुई है। टिंकल गांव में अपने दादा की दुकान पर खाना देने गई थी, जहां गन्ने के खेत में छिपे एक तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया।

स्थानीय ग्रामीणों ने तेंदुए का पीछा किया, जिसके बाद तेंदुआ पास के जंगलों में भाग गया और इस हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी पलिया के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौत हो गई।

ऑल इंडिया ऑल ब्रीड्स चैम्पियनशिप डॉग शो में 42 नस्लों के 228 श्वानों ने बिखेरे जलवे

कानपुर। कानपुर नगर निगम एवं कानपुर कैनेल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से शनिवार को मोतीझील लॉन में ऑल इंडिया ऑल ब्रीड्स चैम्पियनशिप डॉग शो का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर प्रमिला पाण्डेय न किया। डॉग शो में देश भर से शुद्ध ब्रीड्स के 42 नस्लों के 228 श्वानों ने भाग लिया। ये सभी श्वान प्रशिक्षित एवं उच्च गुणवत्ता के थे जिन्हें सभ्य समाज के बीच रहने की विशेष ट्रेनिंग दी गई है।

नगर निगम द्वारा शहर के समस्त देशी-विदेशी श्वानों को मुफ्त में एंटी रैबीज वैक्सीनेशन एवं फ्री हेल्थ चेकअप की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर 126 श्वानों का मुफ्त टीकाकरण भी किया गया। इसके अलावा 92 श्वानों का नगर निगम द्वारा पंजीकरण किया गया। जिन पालतू श्वानों का पंजीकरण हुआ, उनके स्वामियों को श्वानों के लिए गिफ्ट पैकेट्स भी प्रदान किये गये। इस अवसर पर नगर निगम ने शहर के निराश्रित आवारा श्वानों को सर्दी से बचाव के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से मुफ्त गद्दे भी वितरित किए। उल्लेखनीय है कि इस डॉग शो में पेट्स कार्ड लुक्स देखने लायक था। जिन्हें देखने के लिए शहर ही नहीं बल्कि आसपास के जनपदों से लोग भी पहुंचे थे। इस दौरान पेट्स को जैसे ही सजाकर रैंप पर लाया गया। उन्हें देखकर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उनकी हौसला अफजाई किया।

पशु चिकित्सा अधिकारी आर.के. रंजन ने कहा कि श्वानों को किस तरह से घर में रखा जाए और कब उन्हें डॉक्टर को दिखाना चाहिए। साथ ही उनके मनोरंजन के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें देश भर के तमाम शहरों से लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है।

रवींद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स में शामिल

संजू सैमसन इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलेंगे

मुंबई। करिश्माई ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब क्रमशः राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे। आईपीएल के आगामी सत्र से पहले इन दोनों फ्रेंचाइजी ने इसकी पुष्टि की।

अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की समय सी मा

रविवार को समाप्त हो जाएगी। इससे पहले जडेजा ने कम शुल्क पर राजस्थान रॉयल्स में प्रवेश कर लिया है, जबकि चार सत्र तक राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करने वाले सैमसन आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की पीली जर्सी पहनेंगे। आईपीएल मीडिया एडवाइजरी में कहा गया कि जडेजा की आईपीएल फीस 18 करोड़ रुपये से घटाकर 14 करोड़ रुपये कर दी गई है, जबकि सैमसन सीएसके के लिए अपनी मौजूदा लीग फीस 18 करोड़ रुपये पर खेलेंगे।

एडवाइजरी में कहा गया है कि सीएसके के लिए 12 सत्र में खेल चुके जडेजा लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। समझौते के तहत उनकी लीग फीस 18 करोड़ रुपये से 14 करोड़ रुपये कर दी गई है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब 18 करोड़ रुपये की मौजूदा लीग फीस पर चेन्नई सुपर

किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। आईपीएल विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन 2.4 करोड़ रुपये की अपनी मौजूदा लीग फीस पर सीएसके से राजस्थान रॉयल्स की टीम से खेलेंगे। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सनराइजर्स हैदराबाद से ट्रेड के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की जर्सी पहनेंगे। वह अपनी मौजूदा 10 करोड़ रुपये की फीस पर नई फ्रैंचाइज़ी में शामिल होंगे।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर भी मुंबई इंडियंस से 30 लाख रुपये की मौजूदा फीस पर एलएसजी की ओर से खेलेंगे, जबकि ऑलराउंडर नितीश राणा राजस्थान रॉयल्स से 4.2 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज़ डोनोवन फरेरा दिल्ली कैपिटल्स से एक करोड़ रुपये की संशोधित फ़ीस पर ट्रेड होने के बाद अपनी पहली फ्रैंचाइज़ी राजस्थान रॉयल्स में वापसी करेंगे। लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय आगामी सत्र से पहले तीन बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से ट्रेड होने के बाद अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस में वापसी करेंगे।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप: सूर्यवंशी पर रहेगी निगाह

पाकिस्तान से हाथ न मिलाने की नीति पर कायम रहेगा भारत

दोहा। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रविवार को यहां राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 मैच में पाकिस्तान शाहीन्स के आक्रमण को स्तब्ध रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए टीम भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की हाथ नहीं मिलाने की नीति का पालन करेगी। सितंबर में एशिया कप के दौरान भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था।

उस टूर्नामेंट में दूसरे विकेटकीपर और वर्तमान टूर्नामेंट में भारत ए के कप्तान जितेश से भी उम्मीद की जा रही है कि वह अपने सीनियर के नक्शेकदम पर चलते हुए पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान खान से न तो टॉस के समय और न ही मैच के बाद हाथ मिलाएंगे। सबका ध्यान हालांकि 14 साल के सूर्यवंशी पर

होगा, जिन्होंने आईपीएल में शतक लगाकर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया था। उन्होंने पिछले मैच में यूएई के खिलाफ 52 गेंदों पर 15 छक्कों की मदद से 144 रन की अविश्वसनीय पारी खेली और सीनियर अंतरराष्ट्रीय (ए टीम) क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बल्लेबाज बन गए। लेकिन भारत ए के मुख्य कोच सुनील जोशी अपने बल्लेबाजों को यह याद दिलाना चाहेंगे कि पाकिस्तान का आक्रमण यूएई की तुलना में बेहतर होगा। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उबैद शाह से होगी, जो सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नसीम शाह के छोटे भाई हैं। भारतीय टीम में अधिकतर वह खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम में जितेश और रमनदीप सिंह ही दो ऐसे खिलाड़ी हैं जो सीनियर टीम की तरफ से अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान ने नौ वनडे खेले हैं।

भारतीय मुक्केबाजों की निगाह विश्व कप में दमदार प्रदर्शन पर

ग्रेटर नोएडा। भारतीय मुक्केबाज जब रविवार से यहां शुरू हो रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में उतरेंगे तो उनका लक्ष्य सत्र का शानदार अंत करने के साथ ही महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करना भी होगा। मुक्केबाजी के संचालन का कार्य जब से वर्ल्ड बॉक्सिंग ने संभाला है तब से इस साल के शुरू में विश्व कप की शुरुआत की गई और अब उसका फाइनल्स होगा। मुक्केबाज सभी प्रमुख टूर्नामेंटों में रैंकिंग अंक अर्जित करते हैं, जो वरीयता निर्धारण में भूमिका निभाते हैं।

अगले वर्ष एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल होने वाले हैं, इसलिए ये अंक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। प्रारूप के अनुसार इस वर्ष के शुरू में आयोजित किए गए तीन विश्व कप के पदक विजेता खिलाड़ियों ने शीर्ष रैंकिंग वाले मुक्केबाजों के साथ फाइनल्स में जगह बनाई है। भारत मेजबान होने के कारण पुरुष और महिला दोनों के सभी भार वर्गों में अपनी चुनौती पेश करेगा। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) महिला टीम की प्रमुख खिलाड़ी हैं। तेलंगाना की इस मुक्केबाज़ ने इस साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), विश्व पदक विजेता पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपनी अच्छी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

प्रीति पवार (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और परवीन हुड्डा (60 किग्रा) राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं और वह अपने खेल से प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे।

पुरुष वर्ग में भारत का विश्व चैंपियनशिप अभियान निराशाजनक रहा और उम्मीदें प्रतिभाशाली अभिनाश जामवाल और हितेश गुलिया से होंगी, जो इस वर्ष के शुरू में दो विश्व कप फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैंपियनशिप का समापन सितम्बर में हुआ था और कई प्रमुख खिलाड़ी सत्र की इस अंतिम प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं, जो क्वार्टर फाइनल चरण से शुरू होगी। शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट में 18 देशों के लगभग 130 मुक्केबाज भाग लेंगे, जिनमें कुछ ओलंपिक पदक विजेता भी शामिल हैं।

भारतीय टीम इस प्रकार है

- **महिला:** मीनाक्षी (48 किग्रा), निकहत जरीन (51 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), परवीन हुडा (60 किग्रा), नीरज फोगाट (65 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), स्वीटी (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), नुपुर श्योराण (80 किग्रा से अधिक)
- **पुरुष:** जदुमणि सिंह (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश गुलिया (70 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), अंकुश फोगाट (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), नवीन कुमार (90 किग्रा), नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक)

ईडन गार्डंस में विकेटों के पतझड़ के बीच भारत का पलड़ा भारी

कोलकाता। ईडन गार्डंस का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ और दिन भर में 16 विकेट गिरे जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर अपना पलड़ा भारी रखकर पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर जीतने की संभावना बढ़ा दी। लेकिन भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि विकेट से स्पिनरों को मदद मिल रही है और इस पर 150 रन का लक्ष्य भी चुनौती पूर्ण हो सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर आउट हो गई और इस दौरान उसके बल्लेबाजों को साइमन हार्मर और केशव महाराज की स्पिन जोड़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा।

भारत ने पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन परिस्थितियों को देखकर यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना चिंता का विषय है क्योंकि पहली पारी में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद वह दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे। पहली पारी में 159 रन पर आउट होने वाले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और वह भारत से 63 रन आगे है। कप्तान तेम्बा बावुमा 78 गेंद पर 29 रन बनाकर एक छोर संभाले हुए हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े कोर्बिन बॉश एक रन बनाया है।यहां दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने चाय के विश्राम के समय अपनी चौथी गेंद पर रेयान रिकेल्टन (11) को आउट कर दिया। चाय के विश्राम के बाद रवींद्र जडेजा की बलखाती गेंदों का जादू

चला और उन्होंने लगातार चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (04) का विकेट लेने के बाद वियान मुल्डर (11), टोनी डि जार्जी (02) और ट्रिस्टन स्टब्स (05) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की संभावनाओं को करारा झटका दिया। जडेजा ने अब तक 29 रन देकर चार, कुलदीप यादव ने 12 रन देकर दो और अक्षर पटेल ने 30 रन देकर एक विकेट लिया है।

भारत की पारी एक तरह से नौ विकेट पर समाप्त हुई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल स्लॉग स्वीप के दौरान गर्दन में ऐंठन के कारण चोटिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए वापस नहीं लौटे। हार्मर ने क्लब हाउस छोर से लगातार 14.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे धीमी और खुरदरी पिचों पर रविचंद्रन अश्विन के प्रभाव की यादें ताजा हो गईं। उन्होंने भारत के बाएं हाथ के छह बल्लेबाजों को लगातार निशाना बनाया और उनमें से तीन बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर (29), रवींद्र जडेजा (27) और अक्षर पटेल (16) को आउट किया। बल्लेबाज के रूप में उपयोगी योगदान देने के लिए मशहूर इन तीनों खिलाड़ियों ने अपना जज्बा दिखाया। वाशिंगटन ने 82 गेंदों का सामना किया, जबकि जडेजा और अक्षर ने 45-45 गेंदें खेलीं। इसके बावजूद हार्मर की गेंद को अंदर की ओर टर्न कराने की क्षमता निर्णायक साबित हुई। लंबे कद के तेज गेंदबाज मार्को यानसन (35 रन देकर तीन विकेट) ने हाई कोर्ट एंड से उनका शानदार साथ दिया। लंच के बाद के सत्र में भारतीय टीम के वापसी के संकेत मिले जब ध्रुव जुरेल (14) ने कॉर्बिन बॉश की तीन गेंदों पर दो चौके जड़े। भारत ने सुबह एक विकेट पर 37 रन से आगे खेलना शुरू किया। केएल राहुल और वाशिंगटन ने गेंदबाजों का डटकर सामना किया लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज वापसी करने में सफल रहे। राहुल और वाशिंगटन ने दूसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़े। उन्होंने डिफेंस में मजबूती दिखाई और टर्न लेती गेंदों के खिलाफ संयम बनाए रखा। ड्रिंक्स ब्रेक के बाद सत्र का स्वरूप नाटकीय रूप से बदल गया, जिसका श्रेय अनुभवी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को जाता है। हार्मर ने एक क्लासिकल ऑफ स्पिनर की तरह गेंदबाजी करके सबसे पहले वाशिंगटन को आउट किया जिन्होंने 82 गेंद पर 29 रन बनाए। उन्होंने स्लिप में एडेन मार्करम को कैच देने से पहले अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का लगाया। शुभमन गिल तीन गेंदों पर चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्होंने हार्मर को बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से चौका मारा, लेकिन इस दौरान उनकी गर्दन में ऐंठन हो गई।

फिजियो तुरंत ही मैदान पर पहुंचे लेकिन इस स्टार बल्लेबाज को पवेलियन लौटना पड़ा। यह घटना ड्रिंक्स ब्रेक के बाद 35वें ओवर में घटी। इसके बाद केशव महाराज ने राहुल को आउट करके भारत को करारा झटका दिया। इस सलामी बल्लेबाज ने सुबह टेस्ट क्रिकेट में 4000 रन पूरे किए लेकिन 119 गेंदों पर 39 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया और वह भी स्लिप में मार्करम को कैच देकर पवेलियन लौटे। तीसरे अंपायर ने कैच की पुष्टि की। जब भारत ऋषभ पंत के जवाबी हमले से उबरने की उम्मीद कर रहा था तब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज युवा तेज गेंदबाज कोर्बिन बॉश के बाउंसर पर विकेट के पीछे कैच दे बैठा। पंत ने अपनी संक्षिप्त पारी के दौरान 24 गेंद पर 27 रन बनाए जिसमें दो चौके और इतने ही छक्के शामिल हैं।

कनाडा के साथ FTA वार्ता दोबारा शुरू करने पर सभी विकल्प खुले: पीयूष गोयल

पीयूष गोयल ने वेनेजुएला के मंत्री हेक्टर सिल्वा के साथ की बातचीत

विशाखापत्तनम। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने के संबंध में सभी संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। वाणिज्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है और दोनों ही द्विपक्षीय सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां कहा कि सभी संभावनाएं खुली हैं। हमने अब तक दो दौर की चर्चा की है। हम दिल्ली में एक उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए मिले थे। हमने द्विपक्षीय सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की।" कनाडा के मंत्री सिद्धू विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) साझेदारी शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए थे। गोयल ने इस शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सुधारों को आगे बढ़ाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने को तैयार है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सुधारों का स्वरूप विकासशील और अल्पविकसित देशों के परामर्श से तैयार किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित होना चाहिए कि पूरी कवायद कुछ उन्नत देशों के एजेंडे के बजाय वैश्विक कल्याण के लिए हों। गोयल ने कहा कि दुनिया भारत की ताकत और नेतृत्व को पहचानती है और देश एक जिम्मेदार वैश्विक राष्ट्र है तथा यह ग्लोबल साउथ की आवाज बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हम सुधारों का नेतृत्व करना चाहेंगे। लेकिन ये सुधार अन्य विकासशील और कम विकसित देशों के परामर्श से किए जाएंगे, ताकि हम वास्तव केवल कुछ विकसित देशों के एजेंडे के लिए काम ना करके विश्व के कल्याण के लिए काम कर सकें।

विशाखापत्तनम। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यहां आयोजित 30वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के अवसर पर वेनेजुएला के पारिस्थितिक खनन विकास मंत्री हेक्टर सिल्वा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस बैठक के दौरान वेनेजुएला पक्ष ने तेल क्षेत्र से परे भारत के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि व्यक्त की, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और भारतीय निवेश आकर्षित करना शामिल है। वहीं, गोयल ने भारत-वेनेजुएला संयुक्त समिति तंत्र को पुनः सक्रिय करने की

आवश्यकता पर बल दिया, जिसकी अंतिम बैठक एक दशक पहले हुई थी। गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा, वेनेजुएला के पारिस्थितिक खनन विकास मंत्री हेक्टर सिल्वा के साथ एक उपयोगी बैठक हुई। इस दौरान स्थायी खनन प्रथाओं में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और पारस्परिक विकास के अवसरों की खोज पर चर्चा हुई। वेनेजुएला में ओएनजीसी के चल रहे परिचालन खनन और अन्वेषण में गहन सहयोग की संभावनाएं प्रदान कर रहे हैं।

गोयल ने सुझाव दिया कि वेनेजुएला दवा व्यापार को सुगम बनाने के लिए भारतीय फार्माकोपिया को स्वीकार करने पर विचार कर सकता है। गोयल ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत वेनेजुएला में निवेश की संभावनाओं की तलाश कर रहे व्यवसायों के साथ जुड़ेगा।

एशिया प्रशांत क्षेत्र को 20 वर्षों में 19,560 नए विमानों की जरूरत होगी: एयरबस

बैंकॉक। विमान विनिर्माता कंपनी एयरबस ने शनिवार को कहा कि अगले 20 वर्षों में एशिया प्रशांत क्षेत्र को 19,560 नए विमानों की जरूरत होगी, जो मुख्य रूप से भारत और चीन की मांग से प्रेरित है। एयरबस ने कहा कि यह मांग 20 वर्षों में 42,520 नए विमानों की वैश्विक आवश्यकता का 46 प्रतिशत है।

एयरबस एशिया प्रशांत के अध्यक्ष आनंद स्टेनली ने यहां कहा कि इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा भारत और चीन से आएगा। विमान यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 4.4 प्रतिशत की वार्षिक यात्री वृद्धि की उम्मीद है, जो वैश्विक औसत 3.6 प्रतिशत से अधिक होगा। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में शामिल है, और मांग को पूरा करने के लिए एयरलाइनों ने अपने बेड़े का विस्तार करते हुए काफी बड़े ऑर्डर दिए हैं। बैंकॉक में एसोसिएशन ऑफ एशिया-पैसिफिक एयरलाइंस (एएपीए) के अध्यक्षों की वार्षिक सभा के दौरान एयरबस ने कहा कि अगले 20 वर्षों में इस क्षेत्र में लगभग 3,500 बड़े आकार के विमानों की जरूरत होगी। यह बड़े आकार के विमान श्रेणियों में वैश्विक मांग का 43 प्रतिशत है।

पूर्वानुमान के अनुसार एशिया प्रशांत क्षेत्र को लगभग 16,100 छोटे विमानों की आवश्यकता होगी, जो इस श्रेणी में वैश्विक मांग का 47 प्रतिशत है। इसमें यह भी बताया गया कि लगभग 68 प्रतिशत विमानों की आपूर्ति बेड़े के विस्तार के लिए होगी, जबकि 32 प्रतिशत पुराने विमानों की जगह लेंगे।

इंडिगो, अकासा एयर 25 दिसंबर से नवी मुंबई हवाई अड्डे से उड़ानें शुरू करेंगी

मुंबई। बजट एयरलाइन इंडिगो और अकासा एयर 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने उड़ानों का संचालन शुरू करेगी। एयरलाइन ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वह 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 10 शहरों के लिए घरेलू हवाई सेवाओं के साथ उड़ान संचालन शुरू करेगी।

इसके तहत घरेलू हवाई सेवाओं के जरिये 10 शहरों को जोड़ा जाएगा। वहीं, अकासा एयर ने कहा कि वह 25 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से परिचालन शुरू करेगी। इंडिगो ने कहा कि वह 25 दिसंबर से भविष्य के लिए तैयार एयरपोर्ट को दिल्ली, बेंगलुरु,

हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, उत्तरी गोवा (मोपा), जयपुर, नागपुर, कोचीन और मंगलुरु सहित भारत के 10 शहरों से जोड़ेगा। कंपनी ने कहा कि वह मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे हवाई अड्डे से अपने परिचालन का विस्तार करने की योजना बना रही है। इसमें समय के साथ और अधिक गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को मौजूदा मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पूरक के रू प में डिजाइन किया गया है तथा यह भारत की वित्तीय राजधानी से हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

रणनीतिक रूप से स्थित एनएमआईए से क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और पश्चिमी भारत में आर्थिक विकास को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि 1,160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पहले चरण में एक टर्मिनल और एक रनवे होगा, जिसकी वार्षिक यात्री क्षमता 2 करोड़ होगी। इस हवाई अड्डे के पहले चरण का निर्माण 19,650 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इस सुविधा का उद्घाटन इस वर्ष 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

नायडू ने रेमंड समूह की 1,201 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला रखी

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) साझेदारी शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन रेमंड समूह की तीन परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनकी कुल लागत 1,201 करोड़ रुपये है।

इन परियोजनाओं में एक सिल्वर स्क्रैप परिधान विनिर्माण पार्क और दो इकाइयां - जेके मैनी ग्लोबल एयरोस्पेस लिमिटेड और जेके मैनी ग्लोबल प्रिसिजन लिमिटेड शामिल हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, "मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रेमंड समूह की परियोजनाओं की आधारशिला रखी।" रेमंड समूह 497 करोड़ रुपये की लागत से अनंतपुर जिले के राप्ताडु में सिल्वर स्क्रैप परिधान विनिर्माण पार्क स्थापित कर रहा है।

इसके अलावा, समूह अनंतपुर जिले के गुडीपल्ली में 441 करोड़ रुपये की लागत से ऑटो कलपुर्जा विनिर्माण संयंत्र और रायलसीमा जिले के तेकुलोदु में 262 करोड़ रुपये की लागत से एयरोस्पेस कंपोनेंट निर्माण इकाई भी स्थापित कर रहा है। बयान में कहा गया कि इन तीन परियोजनाओं के माध्यम से रेमंड समूह को 6,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

नगालैंड के कॉरपोरेट निवेश में बेहद सकारात्मक बदलाव: सीतारमण

दीमापुर। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि नगालैंड के कॉरपोरेट निवेश में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। दीमापुर स्थित नागालैंड टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर में एआई और भविष्य के कौशल उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने के बाद सीतारमण ने कहा कि इस नए युग का उदाहरण दो प्रमुख कार्यक्रमों से देखा जा सकता है।

इनमें कोहिमा में टाटा समूह के साथ सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने का सहयोग और दीमापुर में साइएंट फाउंडेशन के साथ उन्नत एआई संचालित विनिर्माण और 3डी प्रिंटिंग तकनीकों को पेश करने की साझेदारी शामिल है। उन्होंने कहा ये

कार्यक्रम नगालैंड के युवाओं को आधुनिक नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने, उन्हें सफल होने और देश की प्रौद्योगिकी विकास में योगदान देने के लिए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नगालैंड का दौरा देश के 112 आकांक्षी जिलों की प्रगति का आकलन करने और प्रमुख सरकारी पहलों के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए था। उन्होंने कहा कि इस दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रमुख बैंकों के सहयोग से आयोजित ऋण वितरण कार्यक्रम भी था, जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और आसानी से ऋण उपलब्ध कराना है।

सीतारमण ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य इन कार्यक्रमों का लोगों के जीवन पर प्रभाव को सीधे देखना, मौजूदा चुनौतियों को पहचानना और देश के प्रत्येक हिस्से के समग्र विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।

मैं किसी तय नियम या कैलेंडर से नहीं जीती: कुब्रा सैत

मुंबई। हाल ही में अभिनेत्री कुब्रा सैत 'लव लिंगो' सीज़न 2 के पहले एपिसोड में महिलाओं की पहचान और समाज द्वारा बनाए गए नियमों से परे जीने के मायने पर खुलकर बात की। जस सगू और अर्सला कुरैशी द्वारा होस्ट किए जा रहे इस शो का नया सीज़न प्रेम, भाषा और संस्कृति के रिश्तों को नए सिरे से समझने का प्रयास करता है, और कुब्रा की ईमानदार बातचीत ने इसे एक सशक्त दिशा दी। कुब्रा ने कहा, "अच्छी लड़कियाँ लड़कों से बात नहीं करतीं, अच्छी लड़कियाँ लिपस्टिक नहीं लगातीं, अच्छी लड़कियाँ बस सुनती हैं बचपन में मैंने कहीं यह पढ़ा था। लेकिन आज मेरी ज़िंदगी में इनमें से कुछ भी नहीं है। मैं किसी तय नियम या कैलेंडर से नहीं जीती। कब शादी करनी है या कब खुश रहना है, ये मैं खुद तय करती हूँ। मैंने 30 साल की उम्र में तैरना सीखा, खुले समुद्र में गोता लगाया मेरे लिए यही असली आज़ादी है।" पिछले सीज़न में दीपिका पादुकोण के प्रेरणादायक विचारों की तरह, इस बार कुब्रा सैत ने भी जेंडर आधारित सामाजिक उम्मीदों को चुनौती देते हुए महिलाओं को अपने जीवन के मायने खुद तय करने की प्रेरणा दी। बातचीत के दौरान अर्सला कुरैशी ने 'सैक्रेड गेम्स' में कुब्रा द्वारा निभाए गए किरदार कुकू का ज़िक्र किया, जिसने पर्दे पर जेंडर विविधता का प्रतिनिधित्व किया था। अर्सला ने कहा, "कोई मुंबई इस सोच के साथ नहीं आता कि मैं ट्रांसजेंडर का किरदार निभाकर मशहूर हो जाऊँगा, लेकिन आपने वो कर दिखाया और समुदाय को यह विश्वास दिलाया कि वे जैसे हैं, वैसे ही रहकर भी दुनिया का प्यार पा सकते हैं।

काम के संतुलन पर बोलीं दीपिका पादुकोण

आठ घंटे का काम शरीर और दिमाग, दोनों के लिए पर्याप्त है

मां बनने के बाद दीपिका पादुकोण द्वारा 8 घंटे की वर्किंग शिफ्ट की मांग ने सोशल मीडिया पर बड़ी बहस छेड़ दी है। इसी के बीच खबरें आईं कि इसी मांग की वजह से उन्हें दो बड़े प्रोजेक्ट्स ₹स्पिरिट₹ और ₹कल्कि 2₹ से बाहर कर दिया गया। हालांकि अब दीपिका ने खुलकर अपनी बात रखी है और बताया है कि मातृत्व ने उनके नजरिए को कैसे बदला है। एक इंटरव्यू में उन्होंने साफ कहा कि हम ओवरवर्किंग को सामान्य नहीं मान सकते। कई बार लोग बर्नआउट को कमिटमेंट समझ लेते हैं, जो गलत है। उन्होंने आगे कहा कि मां बनने के बाद उनके भीतर काम को लेकर एक नई समझ विकसित हुई है। अब मुझे अपनी मां के प्रति और अधिक सम्मान महसूस होता है। काम और मातृत्व को मैनेज करना जितना आसान लगता है, असल जिंदगी में यह उससे कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। नई माताओं को काम पर लौटते समय मजबूत सपोर्ट मिलना बेहद जरूरी है और मैं चाहती हूं कि इस दिशा में गंभीरता से काम हो। दीपिका ने ओवरवर्किंग की समस्या पर अपनी बात रखते हुए कहा कि लंबे घंटे काम करना, स्वास्थ्य और काम की गुणवत्ता दोनों पर असर डालता है। उन्होंने कहा कि हमने ओवरवर्किंग को सामान्य कर दिया है। 8 घंटे का काम पर्याप्त है। जब तक आप स्वस्थ नहीं होंगे, आप अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे सकते। बर्नआउट किसी के लिए लाभदायक नहीं है न कलाकार के लिए, न सेट के लिए, न सिस्टम के लिए। उनका कहना है कि वह अपनी खुद की टीम के लिए भी बेहतर वेलफेयर नीतियां लागू करती हैं, मेरी ऑफिस टीम सोमवार से शुक्रवार, सिर्फ 8 घंटे काम करती है। हमारे पास मातृत्व और पितृत्व से जुड़ी नीतियां हैं। और मेरा मानना है कि बच्चों को कार्यस्थल पर लाने को भी सामान्य करना चाहिए। कल्कि 2 से बाहर होने के कुछ हफ्तों बाद, दीपिका ने मीडिया से बात करते हुए कार्यस्थल की स्थितियों और फीस को लेकर अक्सर उठने वाले मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों से मैं लंबे समय से निपटती आ रही हूं। यह मेरे लिए नया नहीं है। फीस को लेकर भी मुझे हमेशा सवालों और चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। लेकिन मैं हमेशा अपनी लड़ाइयां शांति और गरिमा के साथ लड़ती हूं। कई बार ये मुद्दे सार्वजनिक हो जाते हैं, जबकि यह मेरी प्रकृति नहीं है। फिर भी, मैंने हमेशा अपनी बात दृढ़ता और सम्मान के साथ रखी है। इस साल की शुरुआत में दीपिका को प्रभास स्टारर स्पिरिट और कल्कि 2 से हटाया गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दीपिका ने दो अहम मांगें रखी थीं, एक फीस में बढ़ोतरी और वर्किंग आवर्स को 8 घंटे तक सीमित रखना। बताया गया कि मेकर्स ने इन मांगों पर बातचीत की, लेकिन दीपिका अपने स्टैंड पर कायम रहीं। माना जा रहा है कि इन शर्तों के चलते प्रोजेक्ट्स से उन्हें रिप्लेस किया गया।

शादी की सालगिरह पर माता-पिता बने राजकुमार राव और पत्रलेखा

बॉलीवुड की चर्चित और पसंदीदा जोड़ियों में से एक, राजकुमार राव और पत्रलेखा, अपनी ज़िंदगी के सबसे खास लम्हे का जश्न मना रहे हैं। 15 नवंबर को जहां उनकी शादी की चौथी सालगिरह थी, उसी दिन उनके घर नन्ही परी ने जन्म लिया। इस खुशखबरी ने न सिर्फ इस जोड़ी के परिवार को खुशियों से भर दिया, बल्कि उनके प्रशंसकों ने भी सोशल मीडिया पर प्यार और शुभकामनाओं की बाढ़ ला दी। पत्रलेखा ने बेटी को जन्म दिया है, और दोनों ने खुद ही यह जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शेयर की। राजकुमार और पत्रलेखा ने सुबह-सुबह अपने फैंस को यह बताते हुए खुशी जताई कि उनकी चौथी सालगिरह सबसे खास बन गई, क्योंकि इसी दिन उन्हें बेटी का आशीर्वाद मिला। उन्होंने कहा कि भगवान ने उन्हें इस खास मौके पर उनकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा तोहफा दिया है। इस जोड़ी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर भी शेयर किया, जिसमें लिखा है, ₹हम सातवें आसमान पर हैं। भगवान ने हमें एक बेटी का आशीर्वाद देकर सबसे बड़ा उपहार दिया है।₹ गौरतलब है कि इसी साल जुलाई में राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी की प्रेग्नेंसी की खबरों की पुष्टि करते हुए लिखा था कि सीबेबी आने वाला है। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने 15 नवंबर 2021 को शादी की थी। दिलचस्प बात यह है कि पत्रलेखा ने राजकुमार को पहली बार फिल्म लव सेक्स और धोखा में देखा था, जबकि राजकुमार ने उन्हें एक विज्ञापन में नोटिस किया था। जहां राजकुमार पहली नजर में ही पत्रलेखा पर फिदा हो गए थे, वहीं पत्रलेखा की राय शुरुआत में कुछ अलग थी और उन्हें राजकुमार ज्यादा पसंद नहीं आए थे। लेकिन साल 2014 में फिल्म सिटीलाइट्स में साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उनकी खूबसूरत प्रेम कहानी की शुरुआत हुई।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

सीरिया की राजधानी में रॉकेट हमला, एक महिला घायल

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में शुक्रवार रात को एक मकान को निशाना बनाकर रॉकेट दागे गए जिसमें एक महिला घायल हो गयी और काफी क्षति हुई। सरकारी मीडिया ने इस बारे में खबर दी। दमिश्क के पश्चिमी इलाके माजेह 86 में हुए रॉकेट हमले के पीछे कौन था, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटनास्थल पर मौजूद 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के एक पत्रकार ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और किसी को भी उस इमारत के पास जाने की अनुमति नहीं है। सरकारी टेलीविजन ने बताया कि ''अज्ञात हमलावरों'' द्वारा किए गए हमले में एक महिला घायल हो गई है। मामले में सुरक्षा बल जांच कर रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने भी खबर दी कि शुक्रवार रात हुए विस्फोट में एक महिला घायल हो गई है और यह विस्फोट एक मोबाइल लॉन्चर से दागे गए रॉकेटों के कारण हुआ। सीरिया की राजधानी में विस्फोट की घटनाएं असामान्य नहीं हैं, लेकिन हाल के महीनों में इनमें कमी आई है।

हैती पुलिस के साथ मुठभेड़ में गिरोह के सात सदस्य मारे गए, एक हेलीकॉप्टर नष्ट

पोर्ट-ऑ-प्रिंस (हैती)। हैती पुलिस ने बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार तक जारी रही मुठभेड़ में सात गिरोह सदस्यों को मार गिराया और अपने एक हेलीकॉप्टर में खराबी आने के बाद उसे नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैतियन नेशनल पुलिस (पीएनएच) द्वारा 'फेसबुक' पर साझा किए गए एक बयान के अनुसार, राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के बाहरी इलाके 'क्रॉइक्स डेस बुकेट्स' इलाके में एक अभियान के दौरान पुलिस के एक हेलीकॉप्टर में ''खराबी'' आ गई, जिसे आपात स्थिति में नीचे उतारा गया। पुलिस ने बताया कि अधिकारी सुरक्षित हैं, लेकिन उन्होंने हेलीकॉप्टर को आग लगा दी ताकि गिरोह उसका इस्तेमाल नहीं कर सकें। इससे पहले शुक्रवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में गिरोह के सदस्य हेलीकॉप्टर के मलबे के पास जश्न मनाते हुए दिखे थे। पीएनएच के प्रवक्ता गैरी डेसरोसियर्स के अनुसार, गिरोह के सात सदस्य मारे गए। पुलिस ने गोलीबारी में इस्तेमाल की गई एक ''उच्च क्षमता'' वाली बैरेट राइफल भी बरामद की है। हाल के वर्षों में हैती में आपराधिक संगठनों का नियंत्रण बढ़ा है और अब राजधानी के 90 प्रतिशत हिस्से पर उनका नियंत्रण है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, गिरोह हिंसा के कारण रिकॉर्ड 14 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

जयशंकर ने अमेरिका में भारतीय दूतों के सम्मेलन की अध्यक्षता की

द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में भारत के महावाणिज्य दूतों के सम्मेलन में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी भारतीयों से संबंधी गतिविधियों को दिए जाने वाले समर्थन की समीक्षा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, ''हमारे द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी भारतीयों से संबंधी गतिविधियों के लिए समर्थन की समीक्षा की। भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों की प्रतिबद्धता एवं प्रयासों की सराहना करता हूं।'' जयशंकर ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित ''महावाणिज्य दूत सम्मेलन'' की अध्यक्षता की जिसमें अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा, वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास में मिशन उप प्रमुख नामग्या खम्पा के साथ-साथ अटलांटा, बोस्टन, शिकागो, ह्यूस्टन, लॉस एंजिलिस, न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों के सभी दूतों ने हिस्सा लिया। महावाणिज्य दूत विनय प्रधान के नेतृत्व में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वाणिज्य दूतावास परिसर में जयशंकर का स्वागत करना ''सम्मान'' की बात थी। वाणिज्य दूतावास ने कहा, ''उनका नजरिया, मार्गदर्शन और नेतृत्व भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए काम करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।''

जयशंकर ने एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की थी। जयशंकर के साथ संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश, संयुक्त राष्ट्र में उप-स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के अधिकारी भी मौजूद थे। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मिलकर अच्छा लगा। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षवाद पर इसके प्रभावों के उनके आकलन की सराहना करता हूं। विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की भी सराहना करता हूं।'' जयशंकर ने कहा कि उन्होंने भारत के विकास और उन्नति के लिए गुतारेस के स्पष्ट एवं निरंतर समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जतायी कि वह जल्द ही भारत यात्रा पर आएंगे। जयशंकर जी-7 समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए कनाडा में थे जहां उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की और अन्य वैश्विक समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सहायक संगठनों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता का आह्वान किया

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सहायक संगठनों के कामकाज में ''अधिक पारदर्शिता'' का आह्वान किया है तथा बिना कोई उचित स्पष्टीकरण दिए संगठनों और व्यक्तियों को आतंकवादी संगठन या आतंकवादी घोषित करने के अनुरोधों को खारिज करने का हवाला दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कार्यप्रणाली पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र की संरचना में केंद्रीय है और एक प्रमुख अंग है जिसकी मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी है। हरीश ने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र के एक अंग के रूप में सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली इसकी विश्वसनीयता, प्रभावकारिता, दक्षता और पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसके कार्यक्षेत्र में कई क्षेत्र शामिल हैं लेकिन सदस्यों की संख्या केवल 15 सदस्यों तक सीमित है। सुरक्षा परिषद कई संकटों से घिरे और कई चुनौतियों का सामना कर रहे विश्व में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।''

उन्होंने सहायक अंगों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''इसका एक उदाहरण वह (अस्पष्ट) तरीका है जिसके आधार पर (संगठनों और व्यक्तियों को) सूचीबद्ध किए जाने के अनुरोधों को खारिज किया जाता है। सूची से हटाने के फैसलों के विपरीत इस तरह के अनुरोधों पर फैसले अपेक्षाकृत अस्पष्ट तरीके से किए जाते हैं और परिषद के बाहर के सदस्य देशों को इसकी जानकारी नहीं होती।'' हरीश ने यह भी बताया कि परिषद की समितियों और सहायक संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिनका बहुत जिम्मेदारी भरा कार्य होता है। उन्होंने कहा कि हितों के स्पष्ट टकराव के लिए परिषद में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

मैं कंबोडिया, थाईलैंड के बीच संघर्षविराम को बरकरार रखने में सफल रहा: ट्रंप का दावा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि वह अमेरिका की मध्यस्थता से कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए उस संघर्षविराम समझौते को बनाए रखने में सफल रहे हैं जो टूटने के कगार पर था। ट्रंप ने सप्ताहांत में फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट के लिए उड़ान भरते समय 'एयरफोर्स वन' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान) में पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज ही एक युद्ध रोका है।'' उन्होंने कहा कि उनके ये कदम दुनिया भर के देशों पर भारी शुल्क लगाने की उनकी इच्छाशक्ति के कारण संभव हुए हैं। ट्रंप का तर्क है कि उनकी देशों पर शुल्क लगाने की रणनीति के कारण अमेरिका को व्यापार और कूटनीतिक लाभ में बड़ी बढ़त मिलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड के प्रधानमंत्रियों से फोन पर बात की थी, जो अब ''बहुत अच्छा कर रहे हैं।'' इन दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच सीमा को लेकर क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई के अंत में पांच दिनों तक सशस्त्र संघर्ष चला था जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर दोनों देशों ने युद्ध नहीं रोका तो उन्हें व्यापार संबंधी विशेषाधिकार नहीं मिलेगा जिससे संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने में मदद मिली।

हालांकि, इस सप्ताह संघर्षविराम उस समय टूटने की कगार पर पहुंच गया था जब कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने कहा कि थाईलैंड के साथ लगती उनके देश की सीमा पर गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई।

कीव पर रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में छह लोगों की मौत, कम से कम 35 घायल

कीव। रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था।

जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था।'' उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त

हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के ''सैन्य-औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठानों'' पर रात में हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया और आवासीय परिसरों एवं सार्वजनिक भवनों को हुए नुकसान को दर्शाया। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। दिनप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर-आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर-आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा। देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं सवियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई। क्षेत्रीय प्रमुख मायकोला कलाश्निक ने बताया कि कीव क्षेत्र में रूसी हमलों से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और घरों को नुकसान पहुंचा।